प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार पटेल की जयंती पर एकतानगर केवडिया में रु. 280 करोड़ से अधिक की विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:178 दिनांक:31-10-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दीपोत्सव पर रामनगरी के संत-महंत खासतौर पर उल्लासित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा मानो फिर से त्रेता युग लौट आया हो। दीपोत्सव पर राममंदिर का विहंगम दृश्य, राम कथा पार्क में संतों से भेंट करते मुख्यमंत्री।

पीएम मोदी ने केवडिया में 284 करोड़ की परियोजनाओं को शिलान्यास और लोकार्पण किया

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर गुजरात पहुंच गई। दिवाली पूर्व संध्या पर नर्मदा जिले के केवडिया स्थित एकतानगर में पीएम मोदी ने रु. 284 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। पीएम मोदी ने आज उप जिला अस्पताल, ट्रैफिक सर्किल, स्मार्ट बस स्टॉप का शुभारंभ किया। साथ ही बोनसाई उद्यान, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी उदघाटन किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने सरदार सरोवर बांध अनुभव केंद्र परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। पीएम मोदी आज एकतानगर में रात्रि विश्राम करेंगे और कल सुबह लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंति पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। जिसके पश्चात पीएम मोदी इसके बाद स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर होने वाली एकता परेड में शामिल होंगे।

गौर करनेवाली बात है कि इस साल 31 अक्टूबर को देशभर में अनोखा संयोग मनाया जाएगा। प्रकाश पर्व दिवाली के साथ-साथ देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती भी मनाई जाएगी। विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी इन दिनों पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वैश्विक पर्यटन स्थल की स्थापना को और मजबूत करने के लिए पीएम मोदी ने आज विभिन्न परियोजनाओं का प्रारंभ किया। प्रधानमंत्री ने 22 करोड़ की लागत से बने उप-जिला अस्पताल का उद्घाटन किया, जिसमें ट्रॉमा सेंटर, सिटी स्कैन, आईसीयू, लेबर रूम और ऑपरेशन थिएटर जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही आईसीयू ऑन-व्हील्स की नई सेवाएं भी लॉन्च की गई हैं। जिससे गंभीर स्थिति में भी तुरंत इलाज मिल सकेगा। एकता नगर के यातायात प्रबंधन और सौंदर्यीकरण में सुधार के लिए एकता नगर के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रैफिक सर्कल सौंदर्यीकरण का निर्माण किया गया है। 10 स्मार्ट बस स्टॉप और 10 पिक-अप स्टैंड के निर्माण के साथ शहर की सुविधाओं में वृद्धि की गई है, जिसके पहले चरण का शुभारंभ इस समारोह में किया गया। जुलाई 2024 में, एसएपीटीआई संस्थान के सहयोग से आयोजित 20-दिवसीय मूर्तिकला संगोष्ठी के भाग के रूप में जल, प्रकृति और एकता पर आधारित 24 मूर्तियां बनाई गईं। ये मूर्तियां अब एकता नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की गई हैं, जिससे शहर का पर्यटन और आकर्षण बढ़ेगा। पीएम मोदी ने बसखाड़ी से व्यूप्वाइंट-1 तक पैदल मार्ग के पहले चरण और एकता द्वार से श्रेष्ठ भारत भवन तक नवनिर्मित सड़कों का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने रु. 23.26 करोड़ की लागत से 4 मेगावाट की सौर परियोजना भी लॉन्च की, जो एकता नगर को हरित ऊर्जा की राह पर ले जाएगी। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बोनसाई उद्यान और मियावाकी वन के विस्तार से प्रकृति प्रेमियों को अनोखा अनुभव होगा। 2023 में बाढ़ से हुई क्षति को देखते हुए कैक्टस गार्डन के पास सुरक्षा दीवार का विस्तार किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण और अधिक सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही गरुड़ेश्वर में रु. 60 करोड़ के खर्च से भविष्य में बाढ़ से बचाने और विकास को बनाए रखने के लिए जमीनी स्तर को ऊपर उठाने के लिए आतिथ्य जिले का पुनर्विकास किया गया है। इन परियोजनाओं के शुभारंभ के साथ एकता नगर न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि लगातार विकास और नागरिक सुविधाओं के लिए भी देश भर में एक मॉडल बन जाएगा। एकता नगर मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों के संगम का प्रतीक होगा और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगा। प्रधानमंत्री ने एकतानगर में साकार हो रहे प्रोजेक्ट-प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का निरीक्षण किया।

एक मिनट की कीमत कोई अनीस अहमद से पूछे.................नामांकन भरने से चूके

नागपुर (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक उम्मीदवार का नामांकन केवल एक मिनट की देरी से नहीं हो पाया। अनीस अहमद, जो कि वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रत्याशी थे, 29 अक्टूबर को नामांकन भरने के लिए पहुंचे, लेकिन नामांकन पत्र दाखिल करने की समय सीमा तीन बजे थी। जब अनीस ने सभी औपचारिकताएँ पूरी कीं, तब तक घड़ी में तीन बजकर एक मिनट हो चुका था। जिसके बाद अनीस चुनाव लड़ने से वंचित रह गए।

अनीस ने आरोप लगाया कि वे समय से पहले ही नामांकन हॉल में प्रवेश कर चुके थे और उनके प्रतिनिधि को टोकन नंबर आठ मिला था। उन्होंने कहा कि उन्हें अंदर जाने से रोकना गलत था, क्योंकि एक बार दरवाजे के अंदर जाने पर उन्हें और किसी दरवाजे से बाहर नहीं आना चाहिए था। अनीस ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है, जिससे उनका चुनावी सपना टूट गया है।

इस एक मिनट की देरी के कारण, निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन हॉल का दरवाजा बंद कर दिया। इससे अहमद नामांकन पत्र दाखिल करने में असफल रहे, जिससे उनका चुनावी सपना टूट गया। अनीस ने आरोप लगाकर कहा कि वे समय से पहले ही अंदर जा चुके थे, और उनके प्रतिनिधि को टोकन नंबर आठ मिला था। उन्होंने दावा किया कि एक बार अंदर जाने के बाद उन्हें और किसी दरवाजे से जाने नहीं दिया जाना चाहिए था। उनका कहना था कि सभी दरवाजे पार करके वह समय से पहले ही अंदर पहुंच गए थे। इस घटना ने एक बार फिर से यह दर्शाया कि चुनावी प्रक्रिया में समय का कितना महत्व है, और यह किसी के राजनीतिक भविष्य को प्रभावित कर सकता है।

गोधरा कांड के चैप्टर वाली किताबें वापस

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में सरकारी स्कूलों की उन किताबों को वापस मंगवा लिया गया है, जिसमें 2002 में गुजरात के गोधरा कांड का जिक्र किया गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के वक्त स्कूली बच्चों की किताबों में हत्यारों का महिमा-मंडन किया गया है। ऐसे में इस तरह की विवादित किताबों को फिर से मंगाया जाएगा ताकि बच्चे गलत शिक्षा हासिल ना करें। दरअसल, राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में वितरित की जा चुकी चार किताबों को वापस मंगवाने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि अदृश्य लोग- उम्मीद और साहस की कहानी में 9 लंबे साल नामक अध्याय में गोधरा कांड में ट्रेन में लगी आग को आतंकी साजिश बताया गया है। इसको लेकर अब बीजेपी सरकार ने पूर्व सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

सीएम योगी ने कहा आज दुनिया अयोध्या को मान रही है, ऐसा ही काशी-मथुरा में भी हो

अयोध्या (ईएमएस)। 500 वर्षों के बाद बालक राम के भव्य मंदिर में विराजने के बाद इस बार पहली बार अयोध्या में दीपोत्सव की धूम है। लंका विजय के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम, माता सीता, भ्राता लक्ष्मण और अनन्य भक्त हनुमान के साथ पुष्पक विमान से अयोध्या पहुंचे। जहां उनकी अगवानी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने की। पुष्पक विमान से उतरकर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व सीता जी राम दरबार तक आने के लिए रथ पर सवार हुए,तो इस रथ को स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने खींचा, इसके बाद सहयोग के लिए उनके मंत्रीगण सूर्यप्रताप शाही व उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी साथ आ गए। मंच पर बने सिंहासन पर विराजमान होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सभी को तिलक लगाया और उनकी आरती उतारी।

इस मौके पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी पार्टियां पहले राम के नाम प्रश्न खड़ा करती थीं। अब पूरी दुनिया राम को मान रही है। सीएम योगी ने कहा जिस तरह की भव्यता आज अयोध्या में है वैसी ही भव्यता काशी और मथुरा में हो। देश की हर धार्मिक नगरी में उत्सव जैसा माहौल हो। सीएम योगी ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या एक नया इतिहास रच रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरी दुनिया में राम के नाम को जाना है। हमारी संस्कृति को जाना है।

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है जिसने सभी को अपने सीने से लगाया। यह धर्म किसी से नफरत नहीं करता है। सीएम ने कहा कि हम भेदभाव नहीं करते। हम भाषा, जाति और मजहब के नाम पर भेदभाव नहीं करते। राजा राम के गद्दी में बैठने के बाद जो हुआ था वही कर रहे हैं। आज उसी तर्ज पर श्रेष्ठ भारत जन्मा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज हमारे पास यह अवसर है उन सभी आत्माओं को स्मरण करने का जिनका पूरा जीवन राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित था। मैं इस अवसर पर उन सभी पूज्य संतों को नमन करता हूं। जो 3.5 लाख की संख्या में अपनी शहादत देकर एक ही तमन्ना के साथ इस धरा से अल्विदा हो गए कि अयोध्या में चाहें कुछ भी हो इस धरा पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। उनका संकल्प पूरा हुआ। राम लला के विराजमान होने के बाद ये दीपोत्सव का पहला अवसर है। इससे पहले हम लोग बोलते थे और जो हमने कहा वो करके भी दिखाया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत राज्य सरकार के कई मंत्री भी वहां मौजूद रहे। बाद में अयोध्या में 58 घाटों पर 28 लाख दीपक जलाकर दीपोत्सव का कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। मुख्यमंत्री ने राम की पैड़ी पर दीपक जलाकर आठवें भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद उन्होंने सरयू आरती में हिस्सा लिया।

महाराष्ट्र और झारखंड में सज गया विधानसभा चुनाव का मैदान, नामांकन खत्म... अब जोर पकड़ेगा प्रचार

'बागी' बिगाड़ेंगे सियासी गेम

-महाराष्ट्र में टिकटों का टकराव, चुनाव बाद अजित पवार-उद्धव ठाकरे बदल सकते हैं पाला

मुंबई/रांची(ईएमएस)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा के लिए नामांकन की प्रक्रिया खत्म हो गई है। अब चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने स्टार प्रचारकों की घोषणा कर दी है। हालांकि पार्टियों को नाम वापसी का इंतजार है, क्योंकि अधिकांश सीटों पर बागी उम्मीदवारों ने भी नामांकन किया है। ऐसे में पार्टियों खासकर भाजपा और कांग्रेस की कोशिश है कि रूठों को मनाकर अपनी स्थिति मजबूत की जाए। अगर समय रहते पार्टियों ने समीकरणों को नहीं साधा तो बागी बिगाड़ेंगे सियासी गेम।

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव को लेकर जहां सभी पार्टियां तैयार नजर आ रही हैं, तो वहीं इस बार सभी पार्टियों को अपने नेताओं की बगावत का भी सामना करना पड़ रहा है। एनडीए और इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के कुछ नेताओं को टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर गए हैं। महाराष्ट्र में इस बार सभी दलों को अपने नेताओं की बगावत का सामना करना पड़ रहा है। एनडीए और इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के कुछ नेताओं को टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर गए हैं। इसके चलते स्थिति यह हो गई है कि बीजेपी के खिलाफ शिंदे की शिवसेना का बागी मैदान में है तो एनसीपी के खिलाफ बीजेपी का बागी मैदान में उतर गया है। निर्दलीय उतरे बागी उम्मीदवार 4 नवंबर तक अपना नाम वापस नहीं लेते हैं और चुनाव में आखिरी तक जमे रहते हैं तो फिर आधिकारिक उम्मीदवारों के लिए ही नहीं बल्कि गठबंधन के लिए भी सिर दर्द बन जाएगी।

महाराष्ट्र में 6 बड़े दल मैदान में

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की समयसीमा खत्म होने के साथ ही चुनावी तस्वीर साफ हो गई। शिवसेना और एनसीपी में बगावत के चलते इस बार 6 बड़े दल मैदान में हैं। यही कारण है कि बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। अब सबकी निगाह नाम वापसी की अंतिम तारीख (4 नवंबर) पर है। उसके बाद पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी। इस बार 7,995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। आखिरी दिन 4,996 ने पर्चे भरे। महायुति और एमवीए ने नामांकन खत्म होने के बाद भी सीट बंटवारे का फॉर्मूला नहीं बताया। प्रत्याशी देखें तो महायुति में 148 उम्मीदवारों के साथ भाजपा और एमवीए में 103 के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों पार्टियां 2019 के विधानसभा चुनाव से कम सीटों पर लड़ रही हैं। भाजपा ने पिछली बार 164 तो कांग्रेस ने 147 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। वहीं, शिवसेना-शिंदे ने 80, एनसीपी अजित ने 53, शिवसेना- उद्धव ने 89, एनसीपी- शरद ने 87 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं। पिछले चुनाव में शिवसेना (अविभाजित) और एनसीपी (अविभाजित) 124-124 सीटों पर लड़ी थीं। इन सबके अलावा इस बार महायुति ने 5 सीटें सहयोगी पार्टियों के लिए छोड़ी हैं। दूसरी तरफ एमवीए के छोटे सहयोगी दल 6 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। महायुति की 2 और एमवीए की 3 सीटों पर अभी भी स्थिति साफ नहीं है।

अंतिम समय तक नहीं सुलझा सीटों का मामला

दो चरणों में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया खत्म हो गई है। भाजपानीत एनडीए ने पहले ही सीटों के मामले को सुलझा लिया, वहीं, झामुमो लीड इंडिया ब्लॉक में अंतिम समय तक सीटों का मामला नहीं सुलझा है। तीन सीटों विश्रामपुर, छतरपुर और धनवार में उसके घटक दल आपस में फाइट करते दिख रहे हैं। सीटों की बात करें तो एनडीए में भाजपा 68, सुदेश महतो की आजसू 10, नीतीश कुमार की जदयू दो और चिराग पासवान की एलजेपीआर एक सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, इंडिया ब्लॉक में झामुमो 43, कांग्रेस 30, लालू यादव की राजद ने 6 सीटों पर उम्मीदवार उतारा है। तीन सीटों बगोदर, सिंदरी और निरसा में भाकपा माले के कैंडिडेट को सपोर्ट किया है। जबकि, भाकपा माले ने धनवार सीट से अपने प्रत्याशी को वापस नहीं लेने का ऐलान किया है।

चुनाव बाद नए गठबंधन के आसार

जिस तरह की तस्वीर महाराष्ट्र में बन रही है उससे यही लगता है कि किसी भी गठबंधन को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने वाला है। जाहिर है ऐसी हालत में एक बार फिर हॉर्स ट्रेडिंग शुरू होगी। कई पार्टियां टूटेंगी और बिखरेंगी। भाजपा में जिस तरह अजित पवार को लेकर माहौल बन रहा है पार्टी चाहेगी उनसे किनारा किया जाए। इसी तरह कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) में भी आपस में विश्वसनीयता का बेहद अभाव है। कांग्रेस की स्थानीय इकाई बिल्कुल भी नहीं चाहती थी कि शिवसेना के साथ चला जाए। जिस तरह 2004 में केंद्र में यूपीए में कई ऐसे दल भी शामिल हुए थे जो पहले यूपीए में नहीं थे। उसी तरह की संभावना महाराष्ट्र के लिए की जा सकती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन समाप्त होने के साथ एक बात स्पष्ट हो गई कि महाराष्ट्र में बने दोनों गठबंधन अव्यवहारिक हैं। महा विकास आघाड़ी और महायुति दोनों ही भिन्न भिन्न विचार वाले ऐसे दलों का समूह हैं जो सत्ता के लालच में इकत्र हुए हैं। यही कारण है कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी को कम से कम सात विधानसभा क्षेत्रों में 2 -2 पार्टियों के प्रत्याशी हैं। यही हाल महायुति के साथ भी हुआ है। इस गठबंधन में बीजेपी जैसी काडर वाली पार्टी भी कड़े फैसले नहीं ले सकी। कम से कम पांच सीटों पर यहां भी एमवीए जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। दोनों गठबंधनों ने दावा किया कि आने वाले दिनों में इस समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

धीरेंद्र शास्त्री का कटाक्ष, दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध, नए साल पर नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दीपावली पर पटाखों पर लगे प्रतिबंध के बीच बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने बयान दिया है, जिसमें उन्होंने दीपावली पर पटाखों का उपयोग करने और धार्मिक त्यौहारों पर प्रतिबंधों के चयनात्मक दृष्टिकोण पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हर बार सनातन धर्म के त्यौहारों पर प्रदूषण और नियमों का हवाला देकर पाबंदियाँ लगाती हैं। उन्होंने दीपावली मनाने के अपने तरीके पर कहा कि वह त्यौहार को पारंपरिक रूप से मनाएंगे और इसके लिए उन्होंने पटाखे भी खरीद लिए हैं।

पीठाधीश्वर शास्त्री ने दीपावली के पटाखों पर प्रतिबंध की तुलना बकरीद जैसे अन्य त्यौहारों से कर कहा कि बकरीद पर जो बकरे काटे जाते हैं, वे भी गरीबों में बांटे जा सकते हैं, जिससे हिंसा भी नहीं होगी और गरीबों की मदद भी हो सकेगी। उन्होंने नए साल पर पटाखों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाकर कहा कि तब प्रदूषण पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता। साथ ही उन्होंने होली पर पानी बर्बाद होने की चिंता जताने वालों पर कटाक्ष कर कहा कि जब अन्य धर्मों के त्यौहारों पर खून-खराबा होता है, तब इसतरह के लोग आवाज नहीं उठाते। उन्होंने हिंदू त्यौहारों पर दोगलेपन को बंद करने की बात की।

ज्ञात हो कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने प्रदूषण के कारण पटाखों पर सख्त नियम लागू किए हैं। इन राज्यों में केवल ग्रीन पटाखों का सीमित समय के लिए उपयोग करने की अनुमति है, जो पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचाते हैं। धीरेंद्र शास्त्री का यह बयान उन लोगों में चर्चा का विषय बन गया है, जो धार्मिक त्योहारों के दौरान पर्यावरण संतुलन और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नियमों का पालन करने की बात करते हैं।

अजीत पवार की एनसीपी ने नवाब मलिक को टिकट देकर देश को धोखा दिया - भाजपा

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के उम्मीदवार बनाए गए नवाब मलिक पर तीखा हमला करते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने बुधवार को कहा कि नवाब मलिक एक आतंकवादी हैं और उन्होंने देश को टुकड़ों में तोड़ने की कोशिश की।

सोमैया ने कहा, नवाब मलिक एक आतंकवादी है जिसने भारत को टुकड़ों में तोड़ने की कोशिश की। वह दाऊद का एजेंट है और अजीत पवार की एनसीपी ने नवाब मलिक को टिकट देकर देश को धोखा दिया है। महायुति की ओर से भारतीय जनता पार्टी के एकनाथ शिंदे के उम्मीदवार सुरेश कृष्ण पाटिल (बुलेट पाटिल) ने कल से प्रचार शुरू कर दिया है। नवाब मलिक के नामांकन दाखिल करने के बाद महायुति गठबंधन के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई, क्योंकि महायुति पहले ही इसी सीट पर शिवसेना के सुरेश कृष्ण पाटिल को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर चुकी थी।

भाजपा मुंबई प्रमुख आशीष शेलार ने कहा कि पार्टी मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के उम्मीदवार नवाब मलिक के समर्थन में प्रचार नहीं करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अच्छाई में आस्था रखते हुए भारत की गौरवशाली संस्कृति पर गर्व करें और एक स्वस्थ, समृद्ध और संवेदनशील समाज के निर्माण तथा प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प लें।

राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि दीपावली के शुभ अवसर पर मैं भारत और विदेशों में रह रहे सभी भारतीयों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। दीपावली खुशियों और उमंग का त्योहार है। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव है। यह त्योहार देश-विदेश में विभिन्न समुदायों और वर्गों द्वारा उल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व एक उज्जवल भविष्य के लिए आशा का संचार करता है।

उन्होंने कहा कि दीपावली के पावन अवसरपरहमेंअपनेअंत:करणको आलोकित करने और प्रेम, करुणा तथा सामाजिक सद्भाव जैसी सद्वृत्तियों को अपनाने का निश्चय करना चाहिए। यह पर्व वंचित और जरूरतमंदों की सहायता करने और उनके साथ खुशियां बांटने का अवसर भी है।

राजस्थान सरकार ने औषधियों का दुरुपयोग रोकने चलाया अभियान

सरकारी व निजी चिकित्सा दुकानों और लैब की जारी होगी ऑनलाइन आईडी

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान सरकार नशे के रूप में औषधियों का दुरूपयोग रोकने के लिए प्रदेश भर में 11 नवंबर तक विशेष अभियान चला रही है। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि सहायक औषधि नियंत्रकों के माध्यम से जिले में नशे के रूप में दुरूपयोग होने वाली औषधियों के क्रय-विक्रय, भंडारण में लिप्त संस्थाओं को चिन्हित कर औषधि नियंत्रण अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की जायेगी। विशेष अभियान में निरीक्षण के दौरान नशे के रूप में दुरूपयोग की जाने वाली औषधियों के क्रय-विक्रय बिलों की जांच तथा गुणवत्ता की जांच के लिए औषधियों का नमूना लिया जाएगा। डीएनओ रविकांत जांगिड़ ने बताया कि सभी सरकारी निजी चिकित्सा संस्थानों व निजी दवाइयों की दुकानों एवं निजी लैब की आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत ऑनलाइन हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एचपीआर) आईडी बनवाई जा रही है। जिससे इनकी मॉनिटरिंग की जा सके। यह आईडी सभी चिकित्सा संस्थानों दुकानदारों एवं लैब के द्वारा बनवाया जाना अनिवार्य है। इसके अंतर्गत सभी चिकित्सा संस्थान द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जायेगा। जिसको सीएमएचओ कार्यालय द्वारा अप्रूवल देने के बाद आईडी जनरेट की जा सकेगी।

मदरसे सहित पांच अहम केस में फैसला सुनाकर रिटायर्ड होंगे सीजेआई

10 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में जाते-जाते सीजेआई मदरसे सहित पांच अहम केसों पर फैसला सुनाकर जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट दिवाली की छुट्टियों की वजह से अब 4 नवंबर को खुलेगा। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच को 4 से 8 नवंबर तक कई बड़े मामलों में फैसला सुनाना है। क्योंकि 9 और 10 नवंबर को शनिवार और रविवार होने की वजह से सुप्रीम कोर्ट बंद रहेगा, ऐसे में डीवाई चंद्रचूड़ के लिए 8 नवंबर सीजेआई के रूप में आखिरी दिन होगा। इस तरह सीजेआई के पास पांच दिन बचे हुए हैं। सीजेआई को जिन पांच मामलों में फैसला सुनाना है, उनमें मदरसा एक्ट मामला सबसे अहम है। मदरसा एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को सुनवाई करके फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट में 22 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को असंवैधानिक घोषित किया गया था। इसके अलावा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस को लेकर भी काफी समय से सुनवाई हो रही है। इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की 7 जजों की पीठ ने आखिरी सुनवाई के दौरान फैसला सुरक्षित रखा था। अब देखना होगा कि सीजेआई एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा देने के पक्ष में हैं या इसके खिलाफ है।

एलएमवी लाइसेंस का मामले पर फैसला सुरक्षित

एलएमवी लाइसेंस मामले में आखिरी सुनवाई 21 अगस्त को हुई थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस केस में विवाद यह है कि लाइटर मोटर व्हीकल के लाइसेंस धारकों को 7500 किलोग्राम से ज्यादा वजन वाले लाइट मोटर व्हीकल क्लास के परिवहन वाहन को चलाने की अनुमति है या नहीं। कोर्ट को यह तय करना है कि क्या हल्के मोटर वाहन लाइसेंस धारक को उसी कैटेगरी के परिवहन वाहन चलाने की अनुमति है या नहीं। इस मुद्दे के चलते ऐसे वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं से संबंधित बीमा दावों पर विवाद पैदा हो गया है।

दिल्ली में पेड़ों की कटाई व संपत्ति के पुनर्वितरण का मामला

दिल्ली के रिज एरिया में पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में डाली गई थी. इसमें बताया गया था कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए पेड़ों की कटाई की गई. सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच को इस मामले में भी अहम फैसला सुनाना है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की नौ जजों की की पीठ संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर भी सुनवाई कर रही है, जो आम भलाई के लिए संपत्ति के पुनर्वितरण से संबंधित है। संपत्ति के वितरण के संबंध में कांग्रेस ने इस राजनीतिक चर्चा को शुरू किया था उसी के बाद यह मामला कोर्ट में पहुंचा था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त की ओर से तैयार सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया। इस ऐप के जरिए जन्म और मृत्यु का पंजीकरण जल्दी और आसानी से हो सकेगा।

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया विजन को ध्यान में रखते हुए, नागरिक पंजीकरण प्रणाली मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। यह ऐप लोगों को कभी भी, कहीं से भी अपने राज्य की भाषा में पंजीकरण की सुविधा देगा। यह जन्म और मृत्यु पंजीकरण को सरल और आसान बनाएगा।

इस अवसर पर शाह ने भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त कार्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का भी अनावरण किया। देश के पहले गृहमंत्री की जयंती से दो दिन पहले शाह ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिए मोबाइल ऐप पेश किया और पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया।

शाह ने कहा, सरदार साहब ने देश को एकता के सूत्र में पिरोकर मजबूत भारत की नींव रखी। राष्ट्रहित के लिए संघर्ष और त्याग के प्रतीक लौहपुरुष की यह प्रतिमा देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के प्रति उनके अटूट समर्पण का प्रतीक बन सभी को प्रेरणा देती रहेगी। सुबह 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाते हुए शाह ने कहा कि पटेल की जयंती आमतौर पर उनके जन्मदिन 31 अक्टूबर को ही आयोजित की जाती है, लेकिन इस साल यह दो दिन पहले आयोजित की जा रही है क्योंकि उस दिन दीपावली है।

विरोधी गैंग ने की लॉरेंस बिश्नोई के सिंडीकेट को खत्म करने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुश्मन गैंग ने लॉरेंस बिश्नोई के पूरे सिंडिकेट को खत्म करने की तैयारी कर ली है। इस बात की जानकारी देश की सुरक्षा एजेंसियों को भी मिली है।

सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई की बी कंपनी को खत्म करने का प्लान बनाया जा रहा है। दिल्ली से सटी जेल में बंद गैंगस्टर ने यह प्लान बनाया है। इस प्लानिंग के पीछे लॉरेंस के सबसे बड़े दुश्मन गैंगस्टर कौशल चौधरी का नाम सामने आया है। बता दें कि 26 अक्टूबर को दिल्ली के रानीबाग इलाके में एक बिजनेसमैन के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। वारदात को अंजाम देने वाले 2 शूटर्स को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में ये फायरिंग अमेरिका में बैठे कुख्यात गैंगस्टर पवन शौकीन ने करवाई थी। पवन शौकीन फिलहाल अमेरिका के कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो शहर में बैठा हुआ है। पवन शौकीन ने ही दोनों शूटर्स को दिल्ली में बिजनेसमैन के घर की रेकी कनरे के बाद फायरिंग करने का ऑर्डर दिया था। फायरिंग के बाद बिजनेसमैन से 15 करोड़ रुपए मांगे गए थे। सूत्रों के मुताबिक पीड़ित ये पैसे देने के लिए तैयार भी था।

स्पेशल सेल के सूत्रों के मुताबिक अमेरिका में बैठा पवन शौकीन गुरुग्राम के भोंडसी जेल में बैठे कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के इशारे पर काम करता है। कौशल को थाईलैंड से डिपोर्ट करके भारत लाया गया था। कौशल चौधरी गुरुग्राम का रहने वाला है। इस पर हत्या जैसे संगीन मामले दर्ज हैं।

एनआईए कौशल चौधरी पर शिकंजा कस चुकी है और कई बार इसके गैंग के ठिकाने पर रेड भी की जा चुकी है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद कौशल चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर सिद्धू की हत्या का बदला लेने का ऐलान भी किया था। एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई भी कौशल चौधरी को हर हाल में मारना चाहता है। लॉरेंस भी जानता है कि उसके गैंग को अगर कोई चैलेंज दे सकता है और पलटवार कर सकता है तो वह गैंगस्टर कौशल चौधरी ही है। कौशल चौधरी के पास भी लॉरेंस बिश्नोई की तहत बड़ी तादात में शूटर्स हैं, नेटवर्क है और पैसा भी है।

द्दछ्ठ्ठशह्ह की हिट लिस्ट में है चौधरी

लॉरेंस बिश्नोई ने एनआईए के सामने पूछताछ में खुलासा किया था कि उसकी हिट लिस्ट में कौशल चौधरी है। जेल में बंद गैंगस्टर चौधरी भी जानता है कि अगर उसने लॉरेंस बिश्नोई को नहीं मारा तो वो एक दिन खुद मारा जाएगा। इसलिए कौशल चौधरी ने अपना गैंग चुपचाप सालों तक नए सिरे से खड़ा किया और इसी प्लान के तहत उसने अपने खास मेंबर पवन शौकीन को अमेरिका भेजा है। वसूली के जरिए पैसा जुटाकर कौशल चौधरी अपने गैंग को और मजबूत करना चाहता है। इतना मजबूत की वो लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग को खत्म कर सके।

पुलिस पर फायरिंग करने वाला बदमाश एनकाउंटर में ढेर

अमृतसर (ईएमएस)। अमृतसर में पुलिस पर फायरिंग करनेवाला एक बदमाश जवाबी कार्रवाई में ढेर हो गया, जबकि दूसरा बदमाश ब्यास नदी में छलांग लगा कर फरार हो गया। दरअसल गुरुवार को ब्यास क्षेत्र में एक आढ़ती की हत्या हुई थी। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को दूसरे राज्य से गिरफ्तार करके लाई थी। आरोपियों से पूछताछ में उन्होंने बताया कि वारदात में जिस हथियार से गोली चलाई थी वह ब्यास दरिया के किनारे छुपा कर रखा है। इसके बाद जब आरोपियों ने जमीन से हथियार निकाले तो उन्होंने पुलिस टीम पर गोली चला दी।

24 परगना में तेल मिल में लगी भीषण आग, कई लोगों के झुलसने की खबर

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में एक तेल मिल में बुधवार को लगी भीषण में कई लोगों के झुलसने की खबर है। उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

ऐहतिहान तेल मिल के आसपास के घरों से लोगों को हटाया गया है। अभी तक पता नहीं चल पाया है कि आग किस वजह से लगी?

ड्रग्स बेचने आए पांच विदेशी पकड़ाए, पुलिस ने बरामद की कोकीन

जयपुर (ईएमएस)। जयपुर में ड्रग्स बेचने आए पांच विदेशी नागरिकों के पास से पुलिस ने कोकीन बरामद की है। विदेशियों को पुलिस ने बुधवार दोपहर अरेस्ट कर लिया है। विदेशी जयपुर में किराए पर फ्लैट लेकर रह रहे थे। पुलिस ने फ्लैट पर दबिश देकर पांचों विदेशियों को पकड़ा व उनके कब्जे से कोकीन बरामद की। अब पुलिस जयपुर में कोकीन की डिलीवरी लेने वालों की तलाश शुरू कर दी है। डीसीपी (ईस्ट) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि ड्रग्स बेचने के आरोप में एमुनेअल (33) निवासी दार-ए-सलाम वाजोहिल ट्विगा सीमेंट फैक्ट्री तंजानिया हाल बीएनिमल होस्टल मालवीय नगर दिल्ली, मोहम्मद (24) निवासी सिटी काहिरा अबूहेफा मिस्त्र, एंटोनिया (37) निवासी दार-ए-सलाम स्ट्रीट तंजानिया, पॉलीन वांजिकु (41) निवासी केन्या और प्रिसिला वाम्बुई (25) निवासी केन्या को अरेस्ट किया गया है।

ड्रग्स तस्करी की मिली थी सूचना

डीसीपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि जगतपुरा स्थित श्याम आंगन द्वितीय में एक फ्लैट में किराए से रहने वाले विदेशी नागरिक ड्रग्स तस्करी का काम करते हैं। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फ्लैट पर दबिश दी। फ्लैट में तीन विदेशी महिलाएं और दो विदेशी पुरुष मिले। तलाशी में 47 ग्राम कोकीन, प्लास्टिक पैकिंग थैलियां और इलेक्ट्रिक कांटा मिला। पूछताछ में आरोपी विदेशियों ने पुलिस को रुपयों के लालच में कॉलेजों के पास घूमकर कोकीन बेचना बताया है।

जन हितैषी

70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा, सराहनीय कदम

भगवान धन्वंतरि जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान वय वंदन कार्ड योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 70 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को बिना किसी भेदभाव के ?500000 तक के इलाज की सुविधा निशुल्क देने की योजना शुरू की है।यह योजना केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी का एक सराहनीय कार्य है। जिस तरह से भारत में बुजुर्गों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। एकल परिवार में लोग रह रहे हैं। संयुक्त परिवार अब कहीं देखने को नहीं मिलते हैं।महंगाई और बेरोजगारी के बीच बुजुर्गों क्री स्वास्थ्य सेवा पर पैसा खर्च करना मध्य और निम्न वर्ग के परिवारों के लिए संभव ही नहीं था। जिसके कारण बुजुर्गों की उपेक्षा हो रही थी। मध्यम वर्ग के उन परिवारों के लिए जो आयुष्मान कार्ड की सीमा में नहीं आते थे। उनके लिए बुढ़ापा बहुत कष्टदाई साबित हो रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान वय वंदन योजना लागू करके बुजुर्गों को एक सामाजिक एवं शारीरिक सुरक्षा प्रधान की है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। सरकार योजनाएं अच्छी बनाती है।उनका क्रियान्वयन मे जमीनी हकीकत बिल्कुल उल्टी होती है। हर जगह भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण सरकार की योजनाओं का पैसा खर्च होता है। जिन लोगों के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन लोगों को वैसा लाभ भी नहीं मिल पाता है। सरकार ने जिस सोच के साथ योजना बनाई है। सरकार ने स्वास्थ्य सुविधा बुजुर्गों के लिए दी है। इसमें एलोपैथी चिकित्सा के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा को भी शामिल किया जाना चाहिए। आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से स्थाई इलाज की संभावना ज्यादा होती है। एलोपैथी चिकित्सा में निरंतर दवाइयां खानी पड़ती हैं जिनके साइड इफेक्ट भी बहुत होते हैं। सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। बुजुर्गों को वास्तव में सेवा उपलब्ध हो इसके लिए एलोपैथी और आयुर्वेदिक चिकित्सा के अस्पताल मैं बेहतर ढंग से सुविधा मिले इसका भी ध्यान सरकार को रखना होगा। जिन बुजुर्गों ने अपना पूरा जीवन देश और समाज को दिया है। यदि उनका बुढ़ापा सुख शांति से कटता है। तो इसका आशीर्वाद भी पूरी समाज को मिलता है। सरकार को अस्पतालों की बुनियादी सुविधाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता, अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति, विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं। तभी योजना को सफल माना जा सकता है। सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में जिस तरह से आम आदमी को पापड़ बेलने पड़ते हैं। योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी औपचारिकताओं को पूरा करना पड़ता है। वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में जो डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ है। वह बुजुर्गों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उनका बेहतर सहानुभूति रखते हुए इलाज करता है। तो यह योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑपरेशन जांच और दवाइयों का खर्च दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है। इस पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। वृद्धावस्था में तरह-तरह की बीमारियां बुजुर्गों को घेर लेती हैं। जिस तरह से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर इलाज की राशि बेतहासा बढ़ती जा रही है। इस पर भी सरकार को नियंत्रण करना होगा। बुजुर्गों के पास बहुत ज्ञान होता है।हर समस्या का समाधान उनके पास होता है। बुजुर्गों के ज्ञान का लाभ हर पीढ़ी को लाभान्वित करने वाला होता है। परिवार और समाज में समन्वय बनाने का काम भी यही बुजुर्ग करते हैं।ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने बुजुर्गों के लिए जो योजना शुरू की है। उसकी तारीफ हर स्तर पर हो रही है।इस योजना को बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। इसके बड़े सार्थक परिणाम देखने को मिलेंगे। मध्यवर्ग के लोग सबसे ज्यादा टैक्स देते रहे हैं। समाज एवं देश के विकास में मध्यमवर्ग की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रहती है। माध्यम वर्ग के बुजुर्गों की तरफ सरकार ने बिना किसी भेदभाव के जो ध्यान केंद्रित किया है। इससे मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।सरकार यदि बुजुर्गों के लिए इसी तरह का सम्मान प्रदर्शित करते हुए,उनके द्वारा किए हुए कार्यों का मूल्यांकन कर, उनके बुढ़ापे को सुरक्षित बनाने की दिशा में काम करेगी। ऐसी स्थिति में मध्यम वर्ग और बुजुर्ग ज्यादा विश्वास के साथ अंतिम समय तक राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे। सरकार का यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है।

भारत के लौह पुरुष थे सरदार पटेल

(31 अक्टूबर जयन्ती पर विशेष)

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाद में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है। (लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस)(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सामाजिक एकता का पर्व दिवाली

भारत के त्यौहारों की विशेषता यह है कि यह सामाजिक एकता के अनुपम आदर्श हैं। इसी भाव के साथ प्राचीन काल से यह पर्व हम सभी मनाते चले आ रहे हैं। वर्तमान में पर्वों का यह शाश्वत भाव आज भी प्रचलन मे है। दीपावली के त्यौहार पर भी ऐसा ही स्वरुप दिखाई देता है। भारतीय आवागमन के साधनों में त्यौहारों पर बढ़ती भीड़ इसका साक्षात्कार भी करा रही है। वास्तव में भारतीय त्यौहार आज भी परिवार और समाज के एकत्रीकरण का ही त्यौहार है। दूर रहने वाले लोग भी त्यौहार के अवसर पर अपने घर जाकर ही त्यौहार मनाते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि आधुनिक वातावरण में भी दीपावली पर्व अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है। देश की कई संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले मिलन कार्यक्रम भी दीपावली को सार्थकता प्रदान कर रहे हैं। दीपावली का पावन पर्व पूरे देश में एक ही दिन मनाया जाता है, जो देश की सांस्कृतिक का दर्शन कराता है। यही विविधता में एकता का आदर्श है।

भारत में दिवाली का अलग ही महत्व है। वैसे तो भारत का प्रत्येक पर्व प्रकृति और संस्कृति से गहरा सामंजस्य रखते हैं, लेकिन वर्तमान में इन त्यौहारों पर हम अपनी शाश्वत परंपराओं को लगभग भुलाने की मुद्रा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। वास्तव में प्राकृतिक वातावरण से तालमेल स्थापित करने के लिए ही भारतीय त्यौहार मनाए जाते हैं। इन त्यौहारों में संस्कृति को संरक्षित और संवर्धित करने का संदेश समाहित है। हम कहते हैं कि संस्कृति और प्रकृति के विरुद्ध किया जाने वाला प्रत्येक कदम अपने स्वयं के लिए विनाशकारी होता है। इसलिए सांस्कृतिक पक्ष को मजबूत करने वाले इन त्यौहारों की मानवीय जीवन में भी खास अहमियत है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे पूर्वजों ने भी यह माना है कि प्रकृति पूज्य है, जीवन दायिनी है। हमारी प्रकृति ही हमारी संस्कृति है। इसलिए हमारे सांस्कृतिक त्यौहार भी प्रकृति प्रदत्त हैं। जो प्रकृति प्रदत्त है उसकी सुरक्षा करना हमार नैतिक दायित्व है, क्योंकि प्रकृति हमारे संपूर्ण जीवन को हमेशा ही देती है। इसलिए हमारा दायित्व भी बढ़ जाता है। वर्तमान में हमारा प्राकृतिक स्वभाव समाप्त होता जा रहा है यानी हम लेने की प्रवृत्ति की ओर अग्रसर होते जा रहे हैं।

वर्तमान में प्रायः एक बात सबके मुख से सुनी जाती है कि हमारे त्यौहार पहले जैसे नहीं रहे। क्या हमने कभी इस बात पर चिंतन किया है कि ऐसी अवस्था क्यों आई। इसका मूल कारण क्या है। इसके लिए हम ही दोषी हैं। सामाजिक एकत्रीकरण के लिए मनाए जाने वाले त्यौहारों को हमने ही दीवालों में कैद कर लिया है। हम क्यों नहीं त्यौहारों को समाज का हिस्सा बनाते हैं? वास्तविकता यह है कि आज हम अकेले में ही त्यौहारों का आनंद लेने का निरर्थक प्रयास करते दिखाई देते हैं। लेकिन अकेले में त्यौहार का आनंद वैसा कभी नहीं मिल सकता, जो पहले था। इसलिए हमें अपने त्यौहारों को सामाजिकता की ओर ले जाने की ओर अग्रसर होना पड़ेगा, तभी त्यौहारों की सार्थता है और तभी दीवाली की सार्थकता है।

भारतीय संस्कृति में त्यौहारों का अलग ही महत्व है। वर्ष भर होने वाले छोटे बड़े त्यौहार हमारे समाज को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। इन्हीं त्यौहारों में से ही एक त्यौहार है दीपावली। दीपावली का त्यौहार जिसे हम प्रकाश का त्यौहार कहते हैं। आज क्या यह प्रकाश का त्यौहार रह गया है। हम सभी बाहर तो प्रकाया की व्यवस्था कर देते हैं, लेकिन हमने अपने हृदय में कितना प्रकाश किया है। हम आंतरिक रुप से आज भी अंधेरे का हिस्सा हैं। आज के दौर में जिस प्रकार से सामाजिक विषताएं पनप रही हैं, वह इसी अंधकार रुपी जीवन का हिस्सा हैं। दीवाली पर्व बाह्य जगत को प्रकाशित करने के साथ आंतरिक रुप से प्रकाशित होने की भी प्रेरणा भी देता है। यह प्रेरणा ही हमारे जीवन का पथ आलोकित करती है। हम केवल शब्दों के द्वारा शुभकामनाएं देकर एक दूसरे का पथ आलोकित करने की बात तक ही सीमित होते जा रहे हैं। जिनके मन में ज्ञान का दीपक नहीं जला, उसे शुभकामनाएं देने का कोई अधिकार नहीं है।

वास्तव में दीपावली का त्यौहार प्रकाश का त्यौहार होने के साथ साथ हमें हमारे अपनों को हमारे करीब आने का त्यौहार भी है। क्योंकि हमारे अपने दूर होने के बाद भी इस त्यौहार पर अपने घर आते हैं, जिससे कहा जाता है कि यह ऐसा त्यौहार है, जो अपनों की दूरी को समाप्त करता है। दीपावली के त्यौहार से जुड़ी एक किदवंती है कि अयोध्या के राजा भगवान श्रीराम जब लंका पर विजय करके लौटे थे, तब अयोध्या में उनके स्वागत में चारों ओर दीप प्रज्वलित कर आनंद का उत्सव मनाया गया था, उसी आनंद और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए हमारे देश में दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है, लेकिन वर्तमान में आधुनिकता के दौर में कार्यों के चलते लोग एक दूसरे से दूर रहने या दूसरे शहरों में रहने के लिए मजबूर होते हैं, लेकिन जब दीवाली का त्यौहार आता है तो वह व्यक्ति चाहे कितनी भी दूर क्यों न हो अपनों के निकट आने का हर संभव प्रयास करता है। तो यहां हम कह सकते हैं कि दीवाली एक ऐसी डोर है जो हमें हमारे अपनों से जोड? का काम करती है।

दिवाली जहां अपनों को समीप लाती है, वहीं जो लोग समयाभाव के कारण नहीं मिल पाते हैं, उनको भी मिला देती है। हम जानते हैं कि दिवाली पर कहीं कहीं दिवाली मिलन के कार्यक्रम होते हैं, जो सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का ही काम करते हैं। इसके अलावा दिवाली के पर्व पर एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं प्रदान कर दिवाली मिलन जैसा ही कार्यक्रम बन जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि दिवाली मात्र पटाखे छोड? का त्यौहार नहीं है, सभी को करीब लाने का भी त्यौहार है।

अब बात की जाए स्वास्थ्य की तो वर्षभर या किसी अन्य त्यौहार पर लोग अपने घरों की सफाई करें या न करें, लेकिन दीवाली के आने से पहले अपने घरों की साफ सफाई जरूर करते हैं। लिपाई-पुताई करते हैं और अपने घर को सजाने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग भी करते हैं। इसके कारण घरों पर नई आभा बिखर जाती है, पूरा घर नया सा दिखने लगता है। दीपाली के दौरान होने वाली साफ -सफाई घर में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही सकारात्मकता व्यक्ति के जीवन में तमाम खुशियों का संचार करती है। यह सच है कि पूरे घर की सफाई कभी नहीं होती, लेकिन दिवाली एक ऐसा त्यौहार है, जब पूरे घर के कौने कौने की सफाई हो जाती है। कुल मिलाकर दीवाली स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। (लेखिका - डॉ. वंदना सेन/ईएमएस) (लेखिका पीजीवी महाविद्यालय ग्वालियर में विभागाध्यक्ष हैं)

शब्द पहेली - 8174

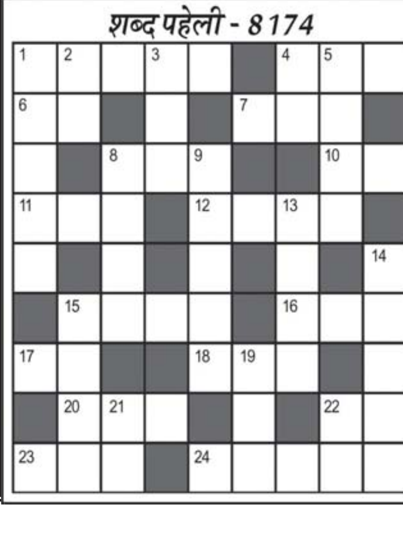

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8173 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

भौतिक ही नहीं, आध्यात्मिक रोशनी का पर्व है दीपावली

दीपावली एक समृद्धि, खुशहाली एवं रोशनी का लौकिक पर्व है। यह जितना भौतिक पर्व है, उतना ही आध्यात्मिक पर्व भी है, इसलिये यह केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का पर्व भी बने। हम भीतर में धर्म का दीप जलाकर मोह और मूर्च्छा के अंधकार को दूर कर सकते हैं। दीपावली के मौके पर सभी आमतौर से अपने घरों की साफ-सफाई, साज-सज्जा और उसे संवारने-निखारने का प्रयास करते हैं। उसी प्रकार अगर भीतर चेतना के आँगन पर जमे कर्म के कचरे को बुहारकर साफ किया जाए, उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास किया जाए और उसमें आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर दिया जाए तो मनुष्य शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद को प्राप्त हो सकता है।

दीपावली का सम्पूर्ण पर्व एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक प्रकार की गति है। एक सत्य से दूसरे सत्य की ओर अनवरत, अनिरुद्ध गति ही दीपावली की जीवंतता है। जीवन के अनेक अनुभवों का समवाय है दीपावली। एक अनुभूति से दूसरी अनुभूति तक की यात्रा में जो दीपावली के विलक्षण एवं अद्भुत क्षणों की गति है, वही जीवन की वास्तविकता है। जीवन एक यात्रा है, सतत यात्रा। ठीक इसी तरह दीपावली भी एक यात्रा है, एक प्रस्थान है, कुछ नया पाने की, अनूठा करने की। समय बह रहा है, जीवन बीत रहा है। वर्ष पर वर्ष, माह पर माह, दिन पर दिन एवं पलों पर पल बीत रहे हैं, सांसों के घट रीत रहे हैं। इन घटती सांसों को अर्थपूर्ण बनाने, सम्पूर्णता से जी लेने एवं उपयोगी करने का पर्व है दीपावली। वृक्ष भी जीते हैं, पशु-पक्षी भी जीते हैं, परंतु वास्तविक जीवन वे ही जीते हैं, जिनका मन मनन का उपजीवी हो। मननशीलता की संपदा मानव को सहज उपलब्ध है। अपेक्षा है उसका सम्यक् उपयोग और विकास कर जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करें। उजालों का स्वागत करें।

दीपावली की रात भारत भूमि पर आसमान उतर आता है। ज्यों आकाश में तारे टिमटिमाते हैं, सो उस रात धरा पर दिए टिमटिमाते हैं। चांद से रीती इस रात का हर पक्ष उजला है। अमावस कहकर कोई याद नहीं रखता इसे। इसमें इतना उजास जो है। कहते हैं सूनी राह पर, अकेले द्वार पर, कुएं की तन्हा मेड़ पर और उजाड़ तक में दीप रखने चाहिए। कोई भूले-भटके भी कहीं किसी राह पर निकले, तो उसे अंधेरा न मिले। इस रात हरेक के लिए उजाले जुटा दिए जाते हैं। अब उजालों के इस अपूर्व एवं अलौकिक पर्व की जगर-मगर में दीपों की माटी कम और लट्टूओं वाली बिजली एवं पटाखों का प्रदूषण अधिक है। वक्त के साथ खुशियों का अहसास तो नहीं बदलता, पर उसकी आमद के जरिए अलग हो जाते हैं। दीपावली पर रोशनी का परचम बुलंद किए हौसलेमंद दिए ज्यों तम के सामने डट जाते हैं, वह एक कालजयी ऐलान है विजय का। इस विजय को पाने एवं मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। एक बार अंधकार ने ब्रह्माजी से शिकायत की कि सूरज मेरा पीछा करता है। वह मुझे मिटा देना चाहता है। ब्रह्माजी ने इस बारे में सूरज को बोला तो सूरज ने कहा-मैं अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर, आप पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करें। मैं उसकी शक्ल-सूरत देखना चाहता हूँ। ब्रह्माजी ने उसे सूरज के सामने आने के लिए कहा तो अंधकार बोला-मैं उसके पास कैसे आ सकता हूँ? अगर आ गया तो मेरा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

जीवन का वास्तविक उजाला लिबास नहीं है, भोजन नहीं है, भाषा नहीं है और उसकी साधन-सुविधाएं भी नहीं हैं। वास्तविक उजाला तो मनुष्य में व्याप्त उसके आत्मिक गुणों क महक ही है, जो मानवीय बनाते हैं, जिन्हें संवेदना और करुणा के रूप में, दया, सेवा-भावना, परोपकार के रूप में हम देखते हैं। असल में यही गुणवत्ता उजालों की बुनियाद है, नींव हैं जिसपर खड़े होकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बनाता है। जिनमें इन गुणों की उपस्थिति होती है उनकी गरिमा चिरंजीवी रहती है। समाज में उजाला फैलाने के लिये इंसान के अंदर इंसानियत होना जरूरी है। जिस तरह दीप से दीप जलता है, वैसे ही प्यार देने से प्यार बढ़ता है और समाज में प्यार और इंसानियत रूपी उजालों की आज बहुत जरूरत है।

दीपों की कतारें दीपावली का शाब्दिक अर्थ ही नहीं, वास्तविक अर्थ है। कतारों के लिए निरंतरता जरूरी है। और निरंतरता के लिए नपा-तुला क्रम। दीप जब कतार में होते हैं, तो आनंद का सूचक बन जाते हैं। जैसे कोई मूक उत्सव हो- जगर-मगर उजाले का। उजालों की पंक्तियां उल्लास का द्योतक हैं। दीप होते ही प्रेरक हैं। एक बाती, अंजुरी-भर तेल और राह-भर प्रकाश। जितना सादा दीपावली का दीपक होता है, उससे सादा कुछ नहीं हो सकता। माटी ने ज्यों पक-जमकर, बाती के बीज से ज्योत पल्लवित की हो। यह विजय पताका कार्तिक अमावस्या के अंधेरे की पूरी रात दूर रखती है। दीपावली की रात को हर दीप रोशनी की लहर बनाता है, उजालों के समन्दर में अपना योगदान देता है।

शेक्सपियर की चर्चित पंक्ति है- 'अगर रोशनी पवित्रता का जीवन रक्त है तो विश्व को रोशनीमय कर दो/ जगमगा दो और इसे जी-भरकर बाहुल्यता से प्राप्त करो।' शेक्सपियर ने यह पंक्ति चाहे जिस संदर्भ में कही हो, पर इसका उद्देश्य निश्चित ही पवित्र था और अनेक अर्थों को लिए हुए यह उक्ति सचमुच में जीवन व्यवहार की स्पष्टता के अधिक नजदीक है। दीपावली का पर्व और उससे जुड़े रोशनी के दर्शन का भी यह उद्घोष है। रोशनी! उत्सव का प्रतीक, खुशी के इज़हार करने का प्रतीक है, सफलता का प्रतीत है। अगर हम इस सोच को गहराई में डुबो लें तो ये सूक्तियां हमारे जीवन की रक्त धमनियां बन सकती हैं और उससे उत्तम व्यवहार की रश्मियां प्रस्फुटित हो सकती है। उन रश्मियों की निष्पत्तियां के स्वर होंगे- ''सदा दीपावली संत की आठों पहर आनन्द'', ''घट-घट दीप जले'', ''दीये की लौ सूरज से मिल जायें''।

जीवन के ह्रास और विकास के संवादी सूत्र हैं- अंधकार और प्रकाश। अंधकार स्वभाव नहीं, विभाव है। वह प्रतीक है हमारी वैयक्तिक दुर्बलताओं का, अपाहिज सपनों और संकल्पों का। निराश, निष्क्रिय, निरुद्देश्य जीवन शैली का। स्वीकृत अर्थशून्य सोच का। जीवन मूल्यों के प्रति टूटती निष्ठा का। विधायक चिन्तन, कर्म और आचरण के अभाव का। अब तक उजालों ने ही मनुष्य को अंधेरों से मुक्ति दी है, इन्हीं उजालों के बल पर उसने ज्ञान को अनुभूत किया अर्थात सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन में उतारा। यही कारण है कि उसकी हस्ति आजतक नहीं मिटी। उसकी दृष्टि में गुण कोरा ज्ञान नहीं है, गुण कोरा आचरण नहीं है। दोनों का समन्वय है। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता वही समाज में आदर के योग बनता है।

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है। इसी से गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा है-'परहित सरिस धरम नहीं भाई'। स्मरण रहे कि यही उजालों को नमन है और यही उजाला हमारी जीवन की सार्थकता है। जो सच है, जो सही है उसे सिर्फ आंख मूंदकर मान नहीं लेना चाहिए। खुली आंखों से देखना एवं परखना भी चाहिए। प्रमाद टूटता है तब व्यक्ति में प्रतिरोधात्मक शक्ति जागती है। वह बुराइयों को विराम देता है। (लेखक - ललित गर्ग/ईएमएस)

खेल-समाचार

विराट, रोहित सहित इन खिलाड़ीयों को बड़ी रकम देकर रिटेन करेगी टीमें

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमिकयर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी से पहले सभी टीमें खिलाड़ियों को रिटेन करने की सूची पर काम कर रही है। आईपीएल के नये नियमों के अनुसार हर फ्रैंचाइजी अधिक से अधिक छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, जिनमें से कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना चाहिए। आईपीएल के इस सत्र में विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, के एल राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे स्टार खिलाड़ियों को इनकी टीम करीब 20 करोड़ की मोटी राशि में रिटन कर सकती हैं। बड़े खिलाड़ियों को नीलामी पूल में शामिल होने से रोकने के लिए भी टीमें उन्हें मोटी रकम का लालच दे सकती हैं। एक अनुमान के अनुसार इन पांच खिलाड़ियों को 20 करोड़ रुपए में रिटेन किया जा सकता है।

रोहित शर्मा : रोहित को पिछले सत्र में मुम्बई इंडियंस ने कप्तानी से हटा दिया था जिससे माना जा रहा है कि वह नाराज है। ऐस में उन्हें अपने साथ बनाये रखने के लिए मुम्बई को काफी प्रयास करने होंगे। नीलामी से पहले ही रोहित को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और ये भी कहा जा रहा है कि वह मुम्बई इंडियंस छोड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले सीजन से पहले रोहित को कप्तानी की जिम्मेदारी से हटाने के बाद भी फ्रैंचाइजी रोहित को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। वास्तव में वे उन्हें 20 करोड़ रुपए का भुगतान कर सकते हैं जिससे रोहित नीलामी में ना आएं।

विराट कोहली : विराट अब तक अपने पूरे करियर में एक ही टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से खेले हैं। आईपीएल में उनके नाम सबसे ज़्यादा रन हैं पर वह अपनी टीम को कभी जीत नहीं दिला पाये। कोहली को आरसीबी 20 करोड़ रुपए में रिटेन कर सकती है। इस क्रिकेटर को साल 2018 में 18 करोड़ रुपए में बरकरार रखा गया था। ये पिछली सर्वश्रेष्ठ रिटेंशन राशि से 2 करोड़ अधिक था। आरसीबी इस बार उन्हें और अधिक बड़ी रकम दे सकती है।

ऋषभ पंत : दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी टीम को छोड़कर नीलामी में आने का संकेत दिया। ऋषभ 2016 में अपने डेब्यू सीजन से ही दिल्ली टीम का हिस्सा रहे हैं। नीलामी से उन्हें दूर करने के लिए टीम उन्हें 20 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड राशि में बनाये रख सकती है।

श्रेयस अय्यर : श्रेयस ने इस साल की शुरुआत में अपना बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध खो दिया था। पिछले सत्र में उनकी कप्तानी में टीम आईपीएल खिताब जीती थी। । ऐसे में नए कप्तान की तलाश में लगी टीमें श्रेयस को हासिल करने का प्रयास करेंगी। उसको रोकने के लिए केकेआर उन्हें मोटी राशि देकर अपने साथ बनाये रखना चाहेगी।

हार्दिक पांडया : ऑलराउंडर हार्दिक पांडया को पिछले सत्र में मुम्बई इंडियंस ने कप्तानी दी थी हालांकि टीम का प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा नहीं रहा था इसके बादी भी टीम उन्हें बनाये रखने पूरे प्रयास करेगी। पिछले सीजन में मेगा ट्रेड डील के तहत उन्हें टीम ने गुजरात टाइटंस से खरीदा था। अब मुम्बई उन्हें बनाये रखने बड़ी रकम लगाएगी।

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट में आमने-सामने होंगे भारत-पाकिस्तान

मुम्बई (ईएमएस)। सात साल बाद हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट एक बार फिर शुरु हो रहा है। इसमें भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच पहले दिन ही मुकाबला होगा। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी पूर्व क्रिकेअर रॉबिन उथप्पा करेंगे। भारत और पाकिस्तान की टीमें टिन क्वोंग रोड क्रिकेट मैदान पर 1 अक्टूबर को खेलेंगी। ये टूर्नामेंट 3 नवंबर तक चलेगा। इसमें कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं। एक टीम में 6 खिलाड़ी शामिल रहेंगे। इसमें बारह टीमों को चार पूल में बांटा गया है जिसमें तीन-तीन टीमें शामिल हैं। ये टूर्नामेंट राउंड रॉबिन के आधार पर खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम पूल सी में है जहां पाकिस्तान और यूएई की टीमें भी भाग लेंगी।

इस टूर्नामेंट में मेजबान हांगकांग को पूल ए में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। वहीं पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और नेपाल की टीमें हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश और ओमान की टीमें ग्रुप डी में हैं। टूर्नामेंट का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका और मेजबान हांगकांग के बीच खेला जाएगा। इसके बाद पहले ही दिन भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। सभी पूल की टॉप की दो टीमें क्वार्टर फाइनल में जाएंगी। क्वार्टर फाइनल की विजेता टीमें सेमीफाइल में जगह बनाएंगी। वहीं क्वार्टर फाइनल में हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। प्रत्येक पूल में सबसे निचले क्रम पर रहने वाली टीमें बॉउल कंपीटिशन करेंगी। टूर्नामेंट में कुल 29 मैच खेले जाएंगे। पहले दिन भारत बनाम पाकिस्तान सहित कुल 10 मैच खेले जाएंगे। वहीं दूसरे दिन 2 नवंबर को भी 10 मुकाबले खेले जाएंगे।

रबाडा आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे , बूमराह तीसरे स्थान पर खिसके

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कसिगो रबाना शीर्ष पर पहुंच गये हैं ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे नंबर पर हैं जबकि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रबाडा ने हाल में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 9 विकेट लिए थे. जिसका उन्हें लाभ मिला है और वह नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट में 300 विकेट का आंकड़ा भी पूरा कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट जीत में रबाडा की अहम भूमिका रही थी।

रबाडा ने बुमराह के अलावा ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और भारत के स्पिनर आर अश्विन को पीछे छोड़कर 2019 की शुरुआत के बाद पहली बार नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है। वह पहली बार जनवरी 2018 में शीर्ष पर पहुंचे थे और तब से लगातार शीर्ष 10 में बने हुए हैं। फरवरी 2019 में ही उन्होंने अपना स्थान खो दिया था। वहीं हेजलवुड अब दूसरे स्थान पर हैं, जबकि बुमराह और अश्विन तीसरे और चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं पाकिस्तान के स्टार स्पिनर नोमान अली ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नौवीं हासिल की है और वह शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। नोमान ने इंग्लैंड के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट में 9 विकेट लिए थे।

मंधाना ने बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद (ईएमएस)। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। स्मृति अब भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी बन गयी हैं। मंधाना ने सीरीज जीतने के बाद कहा राब प्रदर्शन के कारण उन्हें रातों को अच्छी नींद नहीं आती थी।

इसलिए सीरीज जीत कर मैं बेहद खुश हूं। जैसा कि मैंने पहले गेम में कहा था, इस टीम के लिए डेढ़ महीना कठिन रहा है। पहले दो गेम मेरे अनुकूल नहीं रहे, इसलिए मुझे बहुत ख़ुशी है कि मैं आज बड़ा स्कोर बना सकी। यह मेरे शॉट्स को नियंत्रित करने के बारे में था, आप हर रोज एक ही तरह से बल्लेबाजी नहीं कर सकते। कुछ दिन आप सर्वश्रेष्ठ स्थिति में होते हैं और कुछ दिन नहीं। स्मृति ने कहा कि शुरुआत में अपने पर थोड़ा सख्त होना पड़ा और खेल शुरू करने से पहले पहले 10 ओवरों का इंतजार करना पड़ा। मेरे लिए जो तरीका काम करता है वह कठिन है। पहले टीम के लिए ऐसा करने की जरूरत है क्योंकि जल्दी आउट होने का मतलब है कि मैंने टीम को निराश करना जो मुझे पसंद नहीं है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर 2-1 से सीरीज जीती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर एकदिवसीय सीरीज जीती है। अहमदाबाद में खेले गए तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इस जीत से भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर बेहद उत्साहित हैं। हरमनप्रीत के अनुसार इस जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है।

तीसरे एकदिवसीय में उप कप्तान स्मृति मंधाना के शतक की भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही। मंधाना ने इस मैच में अपना शतक लगाते ही अपना आठवां पूरा किया। ये इस प्रारुप में किसी भारतीय के बनाये सबसे अधिक शतक है। वहीं हरमनप्रीत ने नाबाद 59 रन बनाये। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, 'यह जीत हमारे लिए अहम थी क्योंकि हम किसी भी कीमत पर यह सीरीज जीतना चाहते थे। साथ ही कहा कि जब भी हम खेलते हैं तो अपना सौ फीसदी प्रतिशत देना चाहते हैं पर कभी-कभी चीजें आपके हिसाब से नहीं होती हैं।'

सीरीज का पहला एकदिवसयी भारत ने जबकि दूसरा न्यूजीलैंड ने जीता। वहीं तीसरे एकदिवसीय में जीत के साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर सीरीज पर कब्जा कर लिया। भारतीय कप्तान ने कहा, 'एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में आपको अपने को आगे बढ़ाते रहना चाहिए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान दिन भर बाजार उतार-चढ़ाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 426.85 अंक करीब 0.53 फीसदी नीचे आकर 79,942.18 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 125.99 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी टूटकर 24,340.85 पर बंद हुआ।

निफ्टी के 50 में से 31 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इसमें सिप्ला, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। इन शेयरों में 4.03 फीसदी तक गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर, अदाणी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हीरो मोटोकॉर्प, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर बढ़त पर बंद हुए। इसमें 3.74 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई।

स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी स्मॉलकैप 200 इंडेक्स 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो एफएमसीजी, मीडिया, मेटल और कुछ हेल्थकेयर इंडेक्स को छोड़कर बाकी सभी क्षेत्रों में गिरावट देखी गई।

जानकारों के अनुसार निफ्टी बुधवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव भरा रहा और 24,300 से 24,500 के दायरे में कारोबार करता रहा। शुरुआती गिरावट के बाद निफ्टी एक सीमित दायरे में रहा और निचले स्तर के करीब बंद हुआ। एफएमसीजी को छोड़कर अन्य सेक्टर्स में गिरावट देखी गई, जिसमें बैंकिंग, फार्मा और आईटी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। हालांकि, स्मॉल-कैप इंडेक्स ने एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की।''

इससे पहले आज सुबह ही बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार खुलने पर बीएसई सेंसेक्स 153.59 अंक करीब 0.19 फीसदी नीचे आकर 80,215.44 पर करोबार कर रहा थ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 70.65 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी टूटकर 24,396.20 पर कारोबार करता दिखा।

आज सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 42.2 अंक नीचे आकर 24,435.5 पर कारोबार करता दिखा। वहीं अमेरिकी बाजार में गत दिवस मिश्रित कारोबार हुआ। नेसडेक कंपोजिट 0.78 फीसदी की तेजी के साथ नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा। एसएंडपी 500 में 0.16 फीयदी की बढ़त रही जबकि डाओं जोंस 0.36 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ। इस दौरान अमेरिकी बाजारों का प्रभाव भी एशिया-प्रशांत के बाजारों में नजर आया। जापान का निकेई 0.92 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1 फीसदी नीचे और शंघाई कंपोजिट हल्की गिरावट के साथ स्थिर रहा।

वहीं पिछले सत्र में भारतीय बाजारों में तेजी आई थी। बीएसई सेंसेक्स 363.99 अंकों 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ ही 80,369.03 पर बंद हुआ जबकि एनएसई निफ्टी में 127.70 अंकों 0.52 फीसदी की बढ़त आई और यह 24,466.85 पर बंद हुआ।

त्यौहारी मांग का रहा असर, भारत में क्रेडिट कार्ड खर्च में 25 फीसदी की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सितंबर 2024 में भारत में क्रेडिट कार्ड खर्च में साल-दर-साल 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, जो पिछले छह महीनों में सबसे ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में कुल खर्च 1.76 ट्रिलियन रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.42 ट्रिलियन रुपए था। अगस्त 2024 में खर्च 1.68 ट्रिलियन रुपए रहा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस वृद्धि का श्रेय त्यौहारी मांग और अनुकूल आधार प्रभाव को दिया जा सकता है। केयरएज रेटिंग्स के बीएफएसआई रिसर्च प्रमुख ने बताया कि क्रेडिट कार्ड खर्च में बढ़ोतरी पिछले साल और त्यौहारी सीजन के कम आधार के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में त्यौहारी सीजन और संबंधित प्रचार गतिविधियों के कारण खर्च में और बढ़ोतरी हो सकती है।

विशेषज्ञों ने इस बढ़ोतरी को सकारात्मक बताते हुए कहा कि त्यौहारी सीजन की शुरुआत ने खर्च में तेजी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अनुमान लगाया है कि वित्तीय वर्ष के दौरान उद्योग का खर्च 100 फीसदी तक बढ़ सकता है और आगामी महीनों में रुझान समग्र प्रक्षेपवक्र का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। आरबीआई गवर्नर ने हाल ही में कहा था कि त्यौहारी सीजन की मांग भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए मिश्रित संकेत पेश करती है। उन्होंने बताया कि सकारात्मकता नकारात्मकता से ज्यादा है और भारतीय अर्थव्यवस्था यथोचित रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि कुछ निजी बैंकों ने जुलाई से सितंबर तक की अवधि में क्रेडिट कार्ड और माइक्रोफाइनेंस खंडों में तनाव बढ़ने की सूचना दी है। एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव अर्जुन चौधरी ने कहा कि कुछ सेगमेंट तनाव और कर्ज के शुरुआती संकेत दिखा रहे हैं।

इस बीच सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता एचडीएफसी बैंक का खर्च 35 फीसदी बढ़कर 52,226.59 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एसबीआई कार्ड्स का लेनदेन 11 फीसदी बढ़कर 27,714.7 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का कार्ड खर्च 24 फीसदी बढ़कर 31,457 करोड़ रुपए हुआ, और एक्सिस बैंक का खर्च 15.1 फीसदी बढ़कर 18,721.9 करोड़ रुपए हो गया।

हालांकि, सितंबर में खर्च में वृद्धि होने के बावजूद, कार्डों की संख्या में वृद्धि धीमी बनी रही। सितंबर में बकाया क्रेडिट कार्डों की संख्या साल-दर-साल 14 फीसदी बढ़कर 106.11 मिलियन हो गई। प्रचलन में कार्डों की वृद्धि धीरे-धीरे धीमी हो गई है, जो कि जनवरी 2024 में करीब 20 फीसदी वार्षिक से घटकर सितंबर 2024 में 14 फीसदी हो गई है। यह वृद्धि भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और त्यौहारी मांग को उजागर करने में सहायक साबित हो सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि कर्ज के बढ़ते तनाव के बीच सतर्कता बनाए रखना जरुरी है।

छोटी दीवाली के दिन महंगा हुआ सोना

- 24 कैरेट सोने की कीमत 79 हजार के पार

इंदौर(ईएमएस)। सोने में इनवेस्ट एक बहुत अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह रिस्क फ्री रिटर्न की गारंटी देता है। भारत में त्योहार के सीजन में सोने की खरीददारी बढ़ने से कीमत बढ़ जाती है। ऐसे में आपके लिए सोने में इनवेस्टमेंट करना फायदेमंद हो सकता है। बुधवार को यानी 30 अक्टूबर को सोने के दाम में तेजी आई है। 24 कैरेट सोने की 100 ग्राम की कीमत में 936 रुपये की तेजी आई है।

30 अक्टूबर 2024 को 24 कैरेट सोने की कीमत 79 हजार 681 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 29 अक्टूबर 2024 की तुलना में सोने के भाव में आज 936 रुपये की तेजी आई है। चांदी के भाव में भी तेजी देखी गई है। चांदी का भाव 98 हजार 340 रुपये प्रति किलो हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर विनोद उपाध्याय / 30 अक्टूबर, 2024 शुद्धता वाले चांदी के भाव में 29 अक्टूबर से 467 रुपये की तेजी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स के अनुसार 29 अक्टूबर की शाम को विनोद उपाध्याय / 30 अक्टूबर, 2024 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 78745 रुपये थी।

30 अक्टूबर को विनोद उपाध्याय / 30 अक्टूबर, 2024 वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 79681 रुपये हो गई है। 29 अक्टूबर की शाम को विनोद उपाध्याय / 30 अक्टूबर, 2024 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 97873 रुपये थी। 30 अक्टूबर को विनोद उपाध्याय / 30 अक्टूबर, 2024 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 98340 रुपये हो गई है।

घरेलू निवेशकों ने बाजार को गिरने से रोकने के लिए लगाई ताकत

विदेशी निवेशकों से 5 गुना ज्यादा निवेश देसी निवेशकों का

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार लक्ष्मण झूले की तरह झूल रहा है। विदेशी निवेशक मुनाफा वसूली करके भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे हैं। वहीं घरेलू संस्थाओं द्वारा इस गिरते हुए बाजार में भारी निवेश किया जा रहा है। भारतीय निवेशकों ने 4.6 लाख करोड़ का निवेश किया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों का कुल निवेश 90956 करोड रुपए रह गया है। इस हिसाब से भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की तुलना में 5 गुना ज्यादा निवेश, देसी निवेशकों का हो गया है।

घरेलू वित्तीय संस्थाओं ने अपनी पूरी ताकत शेयर बाजार को गिरने से रोकने में लगा दी है। पिछले तीन सालों से शेयर बाजार लगातार आसमान झू रहा था। अक्टूबर माह में जिस तरह से भारतीय शेयर बाजार ने गोता लगाया है। उससे निवेशकों में हड़कंप की स्थिति देखने को मिल रही है।

2024 में रिकॉर्ड ऊंचाई

पहली बार भारतीय शेयर बाजार में निफ्टी (50) 26000 से ऊपर निकला। 2024 में ऑल टाइम हाई बना रहा। अक्टूबर माह की गिरावट ने भारतीय शेयर बाजार को पहली बार परेशानी में जाते हुए देखा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत की सभी शासकीय वित्तीय संस्थानों और कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत के साथ शेयर बाजार में निवेश किया है। विदेशी निवेशक जब अपना निवेश, मुनाफा वसूली करके बाहर निकल रहे थे। उस समय भारतीय निवेशकों ने शेयर बाजार पर अपना भरोसा जताया है। म्युचुअल फंड की भी बहुत बड़ी भूमिका है। भारतीय शेयर बाजार को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

आरबीआई ने अपनी तिजोरी सोने से भरी, स्वर्ण भंडार में किया 102 टन का इजाफा

मुंबई,(ईएमएस)। आम आदमी की तरह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी अपनी तिजोरी को सोने से भर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-सितंबर 2024 की अवधि में आरबीआई ने अपने स्वर्ण भंडार में 102 टन का इजाफा किया है। 30 सितंबर 2024 तक स्थानीय तिजोरियों में रखा गया सोना बढ़कर 510.46 टन हो गया, जो 31 मार्च 2024 तक 408 टन था। विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन पर जारी छमाही रिपोर्ट के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 32 टन सोने का अतिरिक्त भंडार किया गया, जिससे आरबीआई का कुल सोना भंडार 854.73 टन पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ सालों में आरबीआई का ध्यान स्वर्ण भंडार को विदेशी भंडार से देश में स्थानांतरित करने पर केंद्रित रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रिटेन से 100 टन से ज्यादा सोना घरेलू स्थानों पर लाया गया, जो 1991 के बाद का सबसे बड़ा गोल्ड ट्रांसफर था। 1991 में विदेशी मुद्रा संकट के दौरान भारत को अपने स्वर्ण भंडार का एक बड़ा हिस्सा गिरवी रखना पड़ा था। आरबीआई के मुताबिक 324.01 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास रखा, जबकि 20.26 टन सोना स्वर्ण जमा के रूप में है।

दुनियाभर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अस्थिर आर्थिक स्थिति के चलते केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने के प्रति रुचि बढ़ी है। निवेशकों और केंद्रीय बैंकों के लिए असुरक्षित माहौल में सोना एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। ऐसे में भारत भी अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से स्वर्ण भंडार को बढ़ा रहा है, जिससे न केवल विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहे, बल्कि आर्थिक संकट की स्थिति में भी देश के पास मजबूत वित्तीय सुरक्षा कवच हो।

बढ़ती कीमतों के कारण इस साल भारत में सोने की मांग चार साल में सबसे कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, 2024 में भारत की सोने की मांग चार साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच सकती है। इसका मुख्य कारण सोने की कीमतों का रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचना है, जो दिसंबर तिमाही में त्यौहारों के दौरान खरीदारी को प्रभावित कर सकता है।

इस साल भारत में सोने की मांग 700 से 750 मीट्रिक टन के बीच रह सकती है, जो कि 2020 के बाद से सबसे कम होगी। पिछले साल यह मांग 761 टन थी। डब्ल्यूजीसी के भारत के प्रमुख ने बताया कि आमतौर पर साल के अंत में भारत में सोने की मांग बढ़ती है, खासकर शादी और प्रमुख त्यौहारों जैसे दिवाली और दशहरा के अवसर पर। लेकिन इस साल, कई खरीदारों ने अगस्त में ही सोने की खरीदारी कर ली, क्योंकि जुलाई में मोदी सरकार द्वारा आयात शुल्क में 9 प्रतिशत अंकों की कटौती के बाद स्थानीय कीमतों में तेजी से गिरावट दर्ज की गई थी। अब खरीदार कीमतों के स्थिर होने का इंतजार कर रहे हैं। मात्रा के हिसाब से इस साल त्यौहारों के दौरान मांग कम रहेगी।'' बुधवार को घरेलू सोने की कीमतें रिकॉर्ड 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (947 डॉलर) तक पहुंच गईं।

तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स का कमीशन बढ़ाया, आम ग्राहकों को होगा फायदा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पेट्रोल पंप मालिकों की कमाई में वृद्धि करने के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स के कमीशन में संशोधन का एलान किया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने एलान किया है कि डीलर मार्जिन में बढ़ोतरी के फैसले को 30 अक्टूबर यानी बुधवार से लागू कर दिया है। इस बदलाव के बाद पेट्रोल पंप डीलर्स की प्रति लीटर कमाई में वृद्धि होगी, जबकि आम ग्राहकों पर इसका अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। विशेष रूप से कुछ राज्यों, जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, और अरुणाचल प्रदेश में कीमतों में कमी आने का अनुमान है, जिससे ग्राहकों को लाभ मिलेगा।

इंडियन ऑयल के मुताबिक इस फैसले से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संतुलन लाना और डीलरों की लंबे समय से मांग को पूरा करना है। अभी तक डीलर्स को पेट्रोल पर 1,868.14 रुपए प्रति किलोलीटर और डीजल पर 1,389.35 रुपए प्रति किलोलीटर के हिसाब से कमीशन दिया जाता था, जो अब बढ़ा दिया गया है। साथ ही बिल योग्य मूल्य का भी एक फीसदी कमीशन मिलता है। कंपनी का दावा है कि इस बढ़ोतरी से डीलरों को बेहतर ग्राहक सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे करीब सात करोड़ ग्राहकों को लाभ होगा और करीब 83 हजार पेट्रोल पंपों पर कार्यरत 10 लाख कर्मचारियों को भी इसका फायदा मिलेगा।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य में माल ढुलाई की लागत में कटौती करके तेल की कीमतों को तर्कसंगत बनाने की कोशिश की गई है। इसका फायदा दूरदराज के उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जो तेल कंपनियों के डिपो से दूर रहते हैं। उदाहरण के लिए ओडिशा के मलकानगिरी में पेट्रोल की कीमत में 4.69 रुपए और डीजल की कीमत में 4.45 रुपए की कमी आएगी। इसी तरह, छत्तीसगढ़ के सुकमा में पेट्रोल 2.09 रुपए और डीजल 2.02 रुपए सस्ता होगा। अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, और मिजोरम के कई इलाकों में भी इसी तरह कीमतों में कमी हो सकती है।

इस फैसले से देश के कई हिस्सों में ईंधन की कीमतों में गिरावट आएगी, जो आम आदमी के लिए राहत होगी। इसके साथ ही पेट्रोल पंप डीलरों की लंबे समय से लंबित कमीशन बढ़ाने की मांग पूरी होने से ईंधन की गुणवत्ता और ग्राहकों की संतुष्टि में सुधार की उम्मीद है।

भारतीय डिप्लोमैट्स को निकालने पर विचार करने वाली खबरों को अमेरिका ने किया खारिज

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारत और कनाडा के राजनयिक तनाव के बीच वॉशिंगटन से भारतीय डिप्लोमैट्स को निकालने पर विचार करने की खबरों को अमेरिका ने खारिज कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने इन खबरों को खारिज करते हुए कहा कि वह इन खबरों से वाकिफ नहीं हैं कि अमेरिका ने भारतीय डिप्लोमैट्स को निष्कासित कर दिया है। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और कई अन्य डिप्लोमैट्स को भारत वापस भेजने की खबरों के बाद अमेरिका से भी भारतीय डिप्लोमैट्स को निकालने पर विचार की खबरें सामने आई थी, जिसे अब जो बाइडन सरकार ने खारिज कर दिया है।

कनाडा से तनाव के बाद भारत ने 6 कनाडाई डिप्लोमैट्स को निष्कासित कर दिया था। कनाडा ने भी भारत के 6 डिप्लोमैट्स निकाल दिए थे। भारत सरकार ने कनाडा में अपने हाई-कमिश्नर संजय कुमार वर्मा को भी वापस बुला लिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हमें कनाडाई सरकार पर भरोसा नहीं है कि वह उन्हें सुरक्षा दे पाएगी। कनाडा ने भारतीय डिप्लोमैट्स को एक मामले में संदिग्ध बताया था। इसे खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या मामले से जोड़कर देखा जा रहा है।

हाई कमिश्नर और दोनों देशों के बीच मैसेंजर होने के नाते मैंने उस नोट को दिल्ली भेज दिया। इसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कनाडा के हाई कमिश्नर को बुलाया था और कहा कि भारत सरकार ने तय किया है कि कनाडा 6 राजनयिकों को भारत छोड़ना होगा। इसे कनाडा को रिपोर्ट किया गया। इसके बाद दूसरे दिन ईमेल के जरिये कनाडा की तरफ से नोटिफिकेशन भेजा गया, जिसमें कहा गया कि हम सभी 6 लोगों को अवांछित घोषित कर दिया गया है।

बता दें खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर को भारत ने आतंकवादी घोषित कर रखा है, जबकि वो कनाडा का नागरिक था। पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे में गुरुद्वारे के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने का आरोप लगाया था। भारत ने हमेशा से ही कनाडा के इन बेतुका और बेबुनियाद बताते हुए खारिज किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि ट्रूडो ऐसा वोट बैंक की राजनीति के लिए कर रहे हैं। कनाडा के इन आरोपों के बाद भारत ने अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को भी वापस बुला लिया था।

सूडान में जारी संघर्ष के बीच 14 मिलियन लोग अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर

खार्तूम (ईएमएस)। सूडान में जारी संघर्ष के कारण स्थिति और गंभीर होती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक करीब 14 मिलियन लोग अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हो चुके हैं।

आईओएम के महानिदेशक ने कहा कि सूडान में (आंतरिक) विस्थापितों की संख्या 11 मिलियन तक पहुंच चुकी है, और केवल सितंबर से अभी तक 2,00,000 लोग विस्थापित हुए हैं। उन्होंने कि करीब 3.1 मिलियन लोग सूडान की सीमाएं पार कर चुके हैं, इसके बाद देश की करीब 30 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है। जो कि एक बहुत चिंता का विषय है।

पोप ने सूडान की स्थिति को विनाशकारी बताकर कहा कि लोगों का संघर्ष निरंतर बढ़ता जा रहा है और करीब 25 मिलियन लोगों को तत्काल सहायता की जरुरत, यह हमारे लिए बड़ी चिंता का कारण है। आईओएम ने मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताकर सूडान में बंदूकों को शांत करने का आह्वान किया है। सूडान में यह संघर्ष अप्रैल 2023 के मध्य से सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच छिड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इस घातक संघर्ष में अब तक 24,850 से अधिक लोगों मारे जा चुके है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी हाल ही में संघर्ष समाप्त करने की अपील की थी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि सूडानी नागरिकों को संघर्ष में भारी हिंसा का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें हजारों नागरिकों की जान गई है और कईयों को यौन उत्पीड़न जैसी पीड़ाएं झेलनी पड़ी हैं। उन्होंने सुरक्षा परिषद से स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और संघर्ष को समाप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी जाने के आसार

टोरंटो (ईएमएस)। भारत विरोधी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी जाने के आसान दिखाई देने लगे हैं। क्योंकि क्यूबेक नेशनलिस्ट पार्टी ने कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की अल्पसंख्यक सरकार को गिराने के लिए विपक्षी पार्टी के साथ जाने की घोषणा कर दी है। जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी कनाडा के पार्लियामेंट में 338 से 153 सीटों पर काबिज है, लेकिन सत्ता हाथ में रखने के लिए ट्रूडो को अन्य पार्टियों का समर्थन जरूरी है। चुनाव नजदीक आने से पहले प्री पोल्स में जस्टिन ट्रूडो कंजर्वेटिव पार्टियों से पीछे चल रहे हैं। ब्लॉक क्यूबेकॉयज के नेता येव्स फैंक्कॉएज ब्लैनचेट ने यह घोषणा कर दी है कि वरिष्ठों की ओल्ड एज सुरक्षा में बढ़ोत्तरी की मांग को रद्द होने से जस्टिन ट्रूडो की सरकार अब कुछ ही दिनों की है। हालांकि हमें आगे बढ़ने के लिए न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी का भी समर्थन चाहिए।

कनाडा में कुछ ही समय में चुनाव होने वाले हैं। हालांकि कंजर्वेटिव ब्लॉक के इस ऐलान के बाद समय से पहले चुनाव कराने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। बता दें कि अब तक जस्टिन ट्रूडो की सरकार के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव आए हैं जिससे वो बच गए। इस दौरान ब्लॉक और एनडीपी ने मिलकर कंजर्वेटिव नेता पियरे पोलीवरे के इन प्रयासों को खारिज कर दिया था। जहां एक ओर एनडीपी ने कनाडा में ट्रूडो सरकार को समर्थन दिया है, वहीं उनके नेता जगमीन सिंह ने अगर बयान दिया है।

वेस्टइंडीज-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज आज से , हेटमेयर की वापसी

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज लिए अपने 15 सदस्यीय टीम में शिमरोन हेटमेयर को भी शामिल किया है। हेटमेयर की करीब एक साल बाद टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज 31 अक्टूबर से शुरु होगी। हेटमेयर के साथ ही एलिक एथानेज को भी टीम में जगह मिली है। हेटमेयर ने अपना अंतिम एकदिवसीय दिसंबर 2023 में खेला था। उस समय उनकी टीम ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। वह निजी कारणों से श्रीलंका दौरे से बाहर रहे थे। हेटमेयर ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करते हुए काफी रन बनाये थे।

वहीं शाई होप टीम की कप्तानी करेंगे। इस टीम में 17 साल के ज्वेल एंड्रयू को भी जगह मिली है। एंड्रयू ने इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ हुई सीरीज में

डेब्यू किया था। तीन मैचों की सीरीज का पहला एकदिवसीय गुरुवार को खेला जाएगा वहीं दूसरा एकदिवसीय 2 नवंबर को खेल जाएगा। तीसरा और आखिरी एकदिवसीय मैच 6 नवंबर को खेला जाएगा। पहला एकदिवसीय ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। वहीं दूसरा और तीसरा एकदिवसीय ग्रॉस आइलेट में खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम 2022 से अब तक तीसरी बार वेस्टइंडीज आई है। इंग्लैंड की कप्तानी लियाम लिविंगस्टोन करेंगे क्योंकि जोस बटलर रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। उनकी पिंडली की चोट अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाई है। जुलाई से वह इंग्लैंड टीम से बाहर हैं।

टीम इस प्रकार हैः शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, कासी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर।

वानखेड़े में पहले दिन से टर्न लेने वाली पिच चाहती है टीम इंडिया

मुम्बई (ईएमएस)। यहां शुक्रवार से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है और वह इसे हर हाल में जीतकर क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। उसी को देख तुए भारतीय टीम प्रबंधन ने ने इस मैच के लिए ऐसी पिच मांगी है जिसपर पहले दिन से ही गेंदबाजों को टर्न मिलने लग जाये। हालांकि भारतीय टीम का ये दांव भारी भी पड़ सकता है क्योंकि अब तक इस सीरीज में उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। भारतीय टीम तीसरे टेस्ट में कोई जोखिम न लेते हुए तय फार्मूले पर ही चलना चाहती है।' इससे साफ है कि मुंबई में भी स्पिन गेंदबाजों का प्रभाव देखने को मिलेगा। इससे पहले पुणे में हुए दूसरे टेस्ट की पिच में पहले दिन से स्पिन नहीं मिल रहा था पर वह काफी धीमी थी। मैच के आगे बढ़ने के साथ वहां असमान उछाल देखने में आया था। 20 में से 19 विकेट स्पिनरों ने लिए थे। इसमें

भी 13 विकेट मिचेल सैंटनर को मिले थे।

ऐसे में भारतीय टीम के लिए पहले दिन से टर्न वाली पिच नुकसानदेह भी हो सकती है। इसका कारण है कि कीवी टीम के पास दो विश्वस्तनी स्पिनर हैं। ऐसे में मिचेल सैंटनर और अन्य गेंदबाज भारतीय टीम की परेशानी बढ़ा सकते हैं। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में शामिल कर लिया है। तीसरे टेस्ट में बुमराह को आराम देकर हर्षित को उतारा जा सकता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच लाल मिट्टी की बनी है जिसमें बल्लेबाजों के लिए खेलन कठिन रहेगा। यहां गेंद काफी उछाल लेगी। इस विकेट पर स्पिन और बाउंस दोनों तरह के गेंदबाजों को सहायाता मिलेग। ऐसे में मुंबई में मैच का फैसला तय समय से पहले हो सकता है।

आतंकवादी खतरों को समाप्त करने राष्ट्रपति एर्दोगन ने लिया संकल्प

अंकारा (ईएमएस)। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने आतंकवादी खतरों को समाप्त करने का मजबूत संकल्प लिया है। यह बयान उन्होंने जेंडरमेरी को टी625 गोकबे हेलीकॉप्टर की डिलीवरी समारोह में दिया। एर्दोगन ने कहा, हमारी सीमाओं के भीतर या बाहर, कोई भी हमें हमारे देश के खिलाफ किसी भी खतरे को खत्म करने से नहीं रोक सकता है। यह समारोह तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (टीयूएसएएस) के मुख्यालय में हुआ, जहां हाल ही में एक आतंकवादी हमले में पांच लोगों की जान गई थी और 22 अन्य घायल हुए थे। तुर्की अधिकारियों ने हमले के लिए प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) को जिम्मेदार ठहराया है। इस हमले के बाद, तुर्किये ने कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के खिलाफ अपनी सुरक्षा अभियान को और तेज कर दिया है।

एर्दोगन ने तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। यह कंपनी देश के पहले राष्ट्रीय लड़ाकू विमान 'कान' (केएएन) और अन्य उन्नत रक्षा उपकरणों का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि तुर्किये और इस क्षेत्र के भविष्य में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। एर्दोगन ने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में तुर्की की संकल्पना को कमजोर नहीं किया जा सकता है, भले ही कोई भी हमले करे।

उन्होंने कहा, हम अपने क्षेत्र और देश के लोगों की सुरक्षा के लिए किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। तुर्किये, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने पीकेके को एक आतंकवादी संगठन के रूप में मान्यता दी है, और यह संगठन पिछले तीन दशकों से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। एर्दोगन के बयान ने तुर्की के सुरक्षा नीति को मजबूती प्रदान की है, जिससे देश की सुरक्षा स्थिति को बेहतर बनाने के लिए एक ठोस दिशा प्राप्त हुई है।

इजराइल की नए हिजबुल्लाह चीफ को धमकी, कहा पुराने नेताओं के रास्ते पर चला तो सजा मिलेगी

तेल अवीव(ईएमएस)। इजराइल ने हिजबुल्लाह के नए चीफ नईम कासिम को चेतावनी दी है। इजराइल का कहना है कि हिजबुल्लाह का नया कमांडर ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। अगर कासिम भी अपने पुराने लीडरों के रास्ते पर चला, तो वह हिजबुल्लाह के इतिहास में सबसे कम दिन चीफ रहने वाला व्यक्ति होगा।

इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कासिम की नियुक्त पर चेतावनी देते हुए सोशल मीडिया प्लैटफोर्म एक्स पर कासिम की फोटो पोस्ट के साथ लिखा, अस्थायी नियुक्ति। ज्यादा समय तक नहीं चलेगी।

इजराइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद मंगलवार को हिजबुल्लाह ने अपना नया चीफ चुना था। कासिम हिजबुल्लाह में इससे पहले नंबर 2 की पोजिशन पर था।

नसरल्लाह की मौत के बाद कासिम ने ही लेबनान की जनता को संबोधित किया था। कासिम ने 5 अक्टूबर को बेरूत छोड़ दिया था। उसे ईरान के विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक ईरान के नेताओं ने इजराइल के हमले के डर से कासिम को ईरान बुलाया था। कासिम संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहा है और इजराइल के साथ संघर्ष में अक्सर प्रवक्ता की भूमिका निभाता रहा है।

ईरान ने दी जमशेद को फांसी, जर्मनी ने अपने राजदूत को वापस बुलाया

बर्लिन,(ईएमएस)। जर्मन-ईरानी नागरिक को ईरान में फांसी देने के बाद जर्मनी ने ईरान से अपने राजदूत वापस बुला लिया और बर्लिन में शीर्ष ईरानी दूत को तलब किया है। 69 वर्षीय जमशेद शरमाहद को पिछले साल ईरान में दोषी ठहराए जाने के बाद सोमवार को फांसी दे दी गई थी। जर्मन विदेश मंत्री ने राजदूत को वापस बुलाने का आदेश देते हुए कहा कि जर्मनी इस फांसी की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

जर्मन विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा- मैं ईरानी शासन द्वारा जमशेद शरमाहद की हत्या की निंदा करता हूं। दुबई से ईरान ले जाए जाने के बाद उन्हें कई सालों तक बिना किसी सुनवाई के बंधक बनाकर रखा और उनको फांसी पर चढ़ा दिया। इस क्षति के लिए मेरी गहरी संवेदना उसके परिवार के लिए है। उन्होंने उल्लेख किया कि जर्मनी ने शरमाहद के बचाव में अथक प्रयास किए। जर्मन विदेश मंत्रालय की उच्च स्तरीय टीम को कई बार तेहरान भेजा गया था और ईरानी अधिकारियों को चेताया गया था। जर्मन नागरिक को फांसी दिए जाने के गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि जमशेद की हत्या से ईरान में अमानवीय शासन की प्रकृति का पता चलता है, जो अपने युवाओं और विदेशी नागरिकों को मौत की सजा देता है। नई सरकार के तहत भी ईरान में कोई भी सुरक्षित नहीं है।

जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि बर्लिन में ईरानी राजदूत को मंगलवार को तलब किया। मंत्रालय ने बताया कि तेहरान में जर्मनी के राजदूत ने ईरान के विदेश मंत्री के समक्ष आधिकारिक विरोध दर्ज कराया है और परामर्श के लिए उन्हें बर्लिन वापस बुलाया है। इससे पहले जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने भी फांसी की निंदा की, इसे घोटाला बताया और शरमाहद के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

नेतन्याहू को हमास और हिज्जबुला के खात्मे का मिल रहा फायदा.

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल वर्तमान में कई मोर्चों पर जंग लड़ रहा है। एक ओर हमास का खात्मा करने में जुटा है। वहीं दूसरी ओर हिज्बुल्लाह की कमर तोड़ रहा है। इस बीच इजरायल में हाल ही में हुए सर्वे के नतीजों से पता चला है कि अगर देश में मौजूदा समय में चुनाव होते हैं तब प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेगी।

सर्वे में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी पहले नंबर पर, बेनी गैंट्ज की अगुवाई वाली नेशनल यूनिटी 22 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इसके अलावा येर लैपिड की येश एडिट तीसरे और यिसरायल बेटेनू चौथे स्थान पर रही।

हमास और इजरायल के बीच पिछले एक माह से जंग जारी है। इस जंग में दोनों में से कौन जीतेगा? इसके बारे में पूछने पर 51 फीसदी ने इजरायल के जीतने की बात कही जबकि 26 फीसदी लोगों ने इजरायल के जीतने की संभावना से इंकार किया। वहीं, ईरान पर इजरायल के ताजा हमलों को लेकर भी 57 फीसदी लोगों ने संतुष्टि जाहिर की जबकि 32 फीसदी ने इस हमलों पर असंतोष जताया। वहीं सर्वे में इजरायली लोगों से पूछा गया कि वे इस चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए उनकी पसंद कौन है, तब 66 फीसदी लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप जबकि 17 फीसदी ने कमला हैरिस को अपनी पसंद बताया।

कनाडा में नहीं मनेगी दीपावली, कनाडाई सरकार ने उत्सव मनाने पर लगाई रोक

ओटावा,(ईएमएस)। भारत और कनाडा के बीच तनाव का असर अब त्यौहारों पर पड़ रहा है। वहीं इसका असर कनाडा में रहने वाले हिंदूओं पर भी नजर आ रहा है। कनाडाई सरकार ने दीपावली उत्सव मनाने पर रोक लगा दी है। यह निर्णय विपक्षी नेता पियरे पोइलीवर और कंजरवेटिव पार्टी द्वारा लिया गया है। इस फैसले से भारतीय समुदाय में नाराजगी है।

कनाडा हिंदू फोरम ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए इसे कनाडा के विविध सांस्कृतिक समुदायों के प्रति असंवेदनशीलता का प्रतीक बताया है। फोरम के मुताबिक दीपावली जो प्रकाश और एकता का पर्व है, उसका आयोजन न करना एक बड़े समुदाय की उपेक्षा है।

कनाडा हिंदू फोरम का मानना है कि दीपावली उत्सव को रद्द करना राजनीतिक तुष्टीकरण का नतीजा है। उन्होंने कहा कि कनाडा के कंजरवेटिव पार्टी के नेता ने समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज किया है। यह फैसला बताता है कि कुछ नेताओं के लिए सांस्कृतिक समारोहों का महत्व राजनीति के सामने कम है। कनाडा में भारतीय समुदाय करीब 2.5 मिलियन की जनसंख्या के साथ रहते हैं। ये समुदाय विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य, और व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहा है।

हमें कमजोर मत समझना.....पुतिन ने किया न्यूक्लियर हथियारों का प्रदर्शन

मास्को,(ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने न्यूक्लियर हथियारों का प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बड़े पैमाने पर न्यूक्लियर ड्रिल किए जा रहे हैं। 11 हजार किलोमीटर रेंज वाली इंटरकॉन्टीनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यार्स और पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली बुलावा बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया है। दोनों ही मिसाइलें परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं। दोनों ही मिसाइलों को जमीन में मौजूद साइलो या सबमरीन से लॉन्च किया जा सकता है। यार्स को तो लॉन्चर इरेक्टर से भी दागा जा सकता है। पुतिन दुनिया को ये बताना चाहते हैं खासतौर से नाटो और अमेरिका को कि यूक्रेन के चक्कर में रूस को कमजोर मत समझना...

2011 से रूस के सेना में तैनात. 49,600 किलोग्राम वजनी इस मिसाइल की लंबाई 73.81 फीट है। व्यास 6.56 फीट है। इस मिसाइल में 200 किलो टन क्षमता वाले तीन परमाणु या हथियार लोड किए जा सकते हैं। यह सॉलिड इंजन पर चलने वाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल हैं। इसकी रेंज 11 से 12 हजार किलोमीटर है। यह मिसाइल 30,600 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दुश्मन पर हमला करती है।

आरएसएम-56 बुलावा सबमरीन लॉन्च्ड न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल है। बुलावा तीन स्टेज की मिसाइल है। सॉलिड फ्यूल पर चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है। यह करीब 38 फीट लंबी है। वॉरहेड लगाने के बाद इसकी लंबाई बढ़कर 40 फीट हो जाती है। इसमें 6 से 10 एमआईआरवी हथियार लगा सकते हैं। सभी 100 से 150 किलो टन के एटम बम। इस मिसाइल की रेंज 8300 से 15 हजार किमी है लेकिन इसकी गति का खुलासा नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह मिसाइल रूस अपनी सीमाओं से दागे तो दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच सकती हैं।

खरीफ फसलों की समर्थन मूल्य पर बिक्री के लिए पंजीकरण की अवधि 11 नवंबर तक बढ़ी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन जैसी खरीफ फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदने की योजना बनाई है ताकि गुजरात के किसानों को उनकी कृषि उपज के लिए उचित मूल्य और वित्तीय सुरक्षा भी मिल सके।

किसानों के पंजीकरण के लिए नाफेड का ई-समृद्धि पोर्टल 03 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक तय की गई थी। लेकिन राज्य का कोई भी किसान समर्थन मूल्य पर खरीदी के लाभ से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए यह पंजीयन प्रक्रिया 11 नवंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया हैं नाफेड किसानों से समर्थन मूल्य पर रु. 7,645 करोड़ रुपये की 11.27 लाख मीट्रिक टन मूंगफली, 450 करोड़ रुपये की 92,000 मीट्रिक टन सोयाबीन, 370 करोड़ रुपये की 50,970 मीट्रिक टन उड़द और 8,000 मीट्रिक टन मूंग की समर्थन मूल्य पर 8,474 करोड़ रूपये की लगभग 12.78 लाख मीट्रिक टन की खरीदी की जायेगी। राज्य के 160 खरीद केन्द्रों पर पांच तारीख के बाद मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू की जाएगी। 11 नवंबर 2024 से प्रारम्भ किया जायेगा। 08 फरवरी 2025 को पूर्ण किया जाना है। समर्थन मूल्य के संबंध में पंजीकरण के लिए ई-समृद्धि पोर्टल पर ई-ग्राम केंद्रों पर वीसीई के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। राज्य सरकार द्वारा किसानों से मूंगफली, मूंग, उड़द और सोयाबीन की पर्याप्त मात्रा में खरीद की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त अग्रिम योजना बनाई गई है। गुजरात के किसानों को उनकी कृषि उपज के लिए उचित मूल्य और वित्तीय सुरक्षा भी मिल सके।

आतिशबाजी के बाद पहले कार के बोनट पर खंजर से काटा केक, पुलिस ने पर्ची दिखाते हुए कान पकड़कर मांगी माफी

वडोदराः 30 अक्टूबर, वडोदरा के गोत्री रोड इलाके में एक युवक द्वारा कार के बोनट पर खंजर से केक काटने का वीडियो वायरल होने के बाद अकोटा पुलिस ने युवक का पता लगा लिया है और उसे हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है.

पिछले 24 अक्टूबर की आधी रात गदापुरा इलाके में उत्कर्ष स्कूल के पास कुछ युवक शराब पी रहे थे और इसी शोर शराबे के बीच एक युवक कार के बोनट पर कमर से एक फुट लंबी छुरी निकालकर केक काट रहा था, जिसका वीडियो वायरल हो गया इस युवक के हाथ में भी देखा जा सकता है.

अकोटा के पीआई वाईजी मकवाना ने वीडियो की जांच करने के निर्देश दिए, हेड कांस्टेबल हरपाल सिंह और उनकी टीम ने विशाल उर्फ हिमालय संगीतभाई जादव को पाया, जो गदापुरा स्लम क्वार्टर में रहता था और डायर का काम करता था, उसे हथियारों पर प्रतिबंध का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया और खंजर जब्त कर लिया।

गुजरात एक सप्ताह तक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को मेमो नहीं देगा

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर, दिवाली उत्सव के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर चालकों को मेमो देने के बजाय, गुजरात पुलिस ड्राइवरों को जागरूकता पंपलेट और गुलाब के गुलदस्ते देगी। जिसमें 30 अक्टूबर से 6 नवंबर तक पुलिस को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई न करने का निर्देश दिया गया है. वाहन चालकों में यातायात के प्रति जागरूकता की कमी के चलते त्योहारों के दौरान पुलिस ने यह नया प्रयोग किया है। यह नया प्रयोग पूरे प्रदेश में शुरू किया गया है। जिसमें हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, ओवर स्पीड, गलत साइड डाइविंग और लेन उल्लंघन का कोई मेमो नहीं दिया गया.

राज्य के गृह विभाग और गुजरात पुलिस ने दिवाली के त्योहार पर राज्य भर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक अनोखा प्रयोग शुरू किया है। जिसमें 30 अक्टूबर से 6 नवंबर के बीच यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को पुलिस मेमो नहीं बल्कि गुलाब का फूल और जागरूकता पत्रक देगी. साथ ही उन्हें यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले कानूनी, पारिवारिक नुकसान के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यातायात के मुद्दों को उतनी अच्छी तरह से नहीं समझा जाता है जितनी लोग उम्मीद करते हैं और कई लोग जानबूझकर नियम तोड़ते हैं। जिसके कारण कई मामलों में परिवार के सदस्यों को भी परेशानी होती है। जिससे लोगों को यातायात जागरूकता परियोजना के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को जागरूक किया जाएगा।

यातायात जागरूकता के लिए पुलिस पंपलेट और पंपलेट उपलब्ध कराएगी गृह विभाग ने दिवाली के त्योहार के दौरान वाहन चालकों के बीच यातायात जागरूकता बढ़ाने का निर्णय लिया ह

हम बस घर जाना चाहते हैं! वापी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़, हादसों से बचने के लिए पुलिस की तैनाती

वापी,30 अक्टूबर परिवार के साथ दिवाली और छठ पूजा का त्योहार मनाने के लिए घर जा रहे लोगों की भीड़ रेलवे स्टेशनों और बस स्टेशनों पर उमड़ रही है। इस बीच कई रेलवे स्टेशनों पर भगदड़ की घटनाएं भी हुई हैं. ऐसी ही भीड़ गुजरात के वलसाड जिले के वापी रेलवे स्टेशन पर भी देखी गई. बांद्रा-पटना ट्रेन के आने सेपहले ही प्लेटफॉर्म नंबर तीन लोगों से पूरी तरह भर गया था और खड़े होने तक की जगह नहीं बची थी.

सोमवार को बांद्रा-पटना ट्रेन में चढ़ने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, हर कोई ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था. ट्रेन यूपी और बिहार के प्रमुख स्टेशनों पर रुकती है। जिसके कारण इस ट्रेन में अधिक भीड़ होती है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। I का केंद्र बनी

वापी रेलवे स्टेशन पर मुंबई जैसी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जीआरपी पुलिस और आरपीएफ के जवान पूरी तरह से अलर्ट पर हैं। पुलिसकर्मी यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में मदद कर रहे थे. वलसाड जिले के वापी और दमन तथा दादरा नगर हवेली के आसपास के इलाकों में स्थित कंपनियों में हजारों प्रवासी कामगार काम करते हैं। विशेषकर उत्तर भारतीयों की संख्या अधिक है।

बिहार के पटना जंक्शन पर, पटना से सहरसा जाने वाली राज्य रानी एक्सप्रेस ट्रेन में इतनी भीड़ थी कि लोग आपातकालीन खिड़की से प्रवेश करते दिखे। ट्रेन अभी पटना पहुंची ही थी कि सीट पाने के लिए मारामारी मच गयी.इस विपदा के बावजूदट्रेनसेघर जा रहे लोगों ने कहा कि यह बड़ा त्योहार है, हर हाल में घर जाना है, गेट पर काफी भीड़ है, इसलिए खिड़की से जाना होगा.

बोनस भुगतान वाले बाजारों में तेजी, 2 लाख कर्मचारियों को 350 करोड़ रुपए का बोनस दिया गया

वडोदरा, 30 अक्टूबर

29वें दीपोत्सवी दिवाली उत्सव पर, कॉर्पोरेट घरानों के साथ-साथ छोटी और बड़ी कंपनियां और कंपनियां दिवाली मनाने के लिए कर्मचारियों को बोनस राशि जारी कर रही हैं, बाजार खरीदारी की होड़ से गुलजार हैं। मध्य गुजरात के नौ जिलों में दो लाख से अधिक कर्मचारियों को धनतेरस तक 350 करोड़ रुपये से अधिक के बोनस का भुगतान किया जा चुका है।

मध्य गुजरात के नौ जिलों वडोदरा,पंचमहल, दाहोद, नडियाद, आणंद, नर्मदा, भारच, छोटाउदेपुर और महिसागर जिलों में दिवाली का जश्न दिखाई दे रहा है, मंगलवार तक अनुमानित 350 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का बोनस वितरित किया जा चुका है।

सूत्रों के अनुसार, इस मंडल के अंतर्गत नौ जिलों में कुल 8 हजार से अधिक इकाइयां पंजीकृत हैं, जिनमें से अधिकांश कंपनियों या इकाइयों को बोनस वितरित किया जा रहा है और रिपोर्ट भी सरकारी कार्यालयों में पहुंचाई जा रही है। जिलों से मिली जानकारी के मुताबिक अब तक 2 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को कुल 350 करोड़ रुपये का बोनस बांटा जा चुका है और अभी भी कंपनियों द्वारा बोनस बांटने का काम जारी है. कुछ कंपनियों ने तो एडवांस सैलरी भी दे दी है.

उल्लेखनीय है कि कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत कंपनियों द्वारा बोनस का भुगतान कानून के अनुसार श्रम विभाग को सूचित किया जाता है। छोटी इकाइयाँ और संगठन जो श्रम विभाग में पंजीकृत नहीं हैं, वे भी अपने कर्मचारियों को बोनस देते हैं और यदि इन राशियों को जोड़ दिया जाए, तो बोनस राशि और भी बढ़ सकती है।

पूर्व विपक्षी नेता परेश धनानी की तबीयत बिगड़ी, करानी पड़ी एंजियोप्लास्टी

29 अक्टूबर

परेश धनानी न्यूज़ः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर गुजरात के कई नेता महाराष्ट्र में प्रचार कर रहे हैं. गुजरात विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता परेश धनानी की नागपुर में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक उनकी एंजियोप्लास्टी की गई है, अब उनकी तबीयत स्थिर है. जैसे ही हमें खबर मिली कि परेश धनानी की तबीयत खराब हो गई है

अमरेली के रहने वाले परेश धनानी ने लोकसभा 2024 में अमरेली के मूल निवासी बीजेपी नेता प्रसोत्तम रूपाला के खिलाफ चुनाव लड़ा था. दोनों ने अमरेली की बजाय राजकोट से लोकसभा चुनाव लड़ा. परसोत्तम रूपाला के विवादित बयान पर मामला गरमाने के बावजूद धनानी हार गए. 22 साल बाद परेश धनानी और रूपाला चुनाव में आमने-सामने हुए.इससे पहले 2002 में अमरेली विधानसभाचुनावमेंरूपाला को हराकर धनानी जाइंट किलर बन गए थे।

लोकसभा चुनाव के दौरान परेश धनानी द्वारा दाखिल हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 1.40 लाख रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास 1.56 लाख रुपये नकद हैं. एसबीआई की गांधीनगर शाखा के खाते में 57,647 रुपये और बैंक ऑफ इंडिया के खाते में 37,000 रुपये हैं. है उनकी पत्नी का अमरेली एसबीआई शाखा में 2814 रुपये का खाता है। है इसके अलावा 50,332 रुपये के प्रीमियम के साथ परेश धनानी मेडिक्लेम और 15,749 रुपये के प्रीमियम के साथ एक्सीडेंटल इंश्योरेंस भी है। है जबकि उनकी पत्नी के पोस्ट अकाउंट में 4.37 लाख का बैलेंस है. संगठन को दिए गए व्यक्तिगत ऋण या उधारकर्ताओं से प्राप्तियों के संदर्भ में शरदभाई धनानी को 37 लाख, लाभुबेन धनानी को 4.50 लाख, वर्षाबेन धनानी को 1.20 लाख।

जबकि 2.25 लाख टीडीएस खाते में हैं. करोड़ों की संपत्ति के बावजूदनतो परेश धनानी और न ही उनकीपत्नी के पास चार पहिया गाड़ी है। बेटीके नाम पर एक दोपहिया वाहन है. परेश धनानी के पास 120 ग्राम सोना है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 7.92 लाख है। उनकी पत्नी के पास बुजुर्ग से विरासत में मिला 260 ग्राम सोना है।

मानेकचौक से बावन लाख की चोरी सुलझीः दो युवक गिरफ्तार

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर

एक सप्ताह पहले मानेक चौक स्थित एक दुकान से तस्करों ने बाथरूम की खिड़की का ग्रिल तोड़कर चार लाख रुपये नकद और छह सोने की छड़ें समेत कुल 52.36 लाख रुपये की चोरी कर ली थी. इस वारदात को सुलझाने के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने कलोल के रहने वाले दो आरोपियों को 48.36 लाख रुपये की सोने की ईंटों के साथ गिरफ्तार किया है. जबकि मुख्य सरगना के चार लाख की नकदी लेकर भागने का पता चला है। शहर के निम्यांगर नगर के शांताराम कॉम्प्लेक्स में रहने वाले जयदीप सोनी मानेक चौक की संकरी गली में सोने के आभूषण का कारोबार चलाते हैं। खड़िया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई थी कि 23 अक्टूबर की रात कुछ तस्कर बाथरूम की खिड़की की ग्रिल तोड़कर दुकान में घुस गए और 4 लाख रुपये नकद और 48.36 लाख रुपये की सोने की छड़ें चुरा लीं। मानव स्रोत और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के पीआई जेके मकवाना और उनके स्टाफ को जानकारी मिली कि जयदीप की दुकान में पहले काम करने वाले शिंटू चक्रवर्ती की भूमिका संदिग्ध है. इसके अलावा मानेकचौक में एक अन्य दुकान में काम करने वाले दो युवक भी उसके साथ जुड़े हुए हैं। इसके आधार पर पुलिस ने गांधीनगर के कलोल में रहने वाले संजय वैष्णव (उम्र 37) और शैलेश जादव (उम्र 33) को गिरफ्तार किया और उनके पास से एक सोने की ईंट बरामद की. दोनों से पूछताछ में पता चला कि चूंकि शिंटू चक्रवर्ती जयदीपभाई की दुकान में काम करता था, तो वह सोना और नकदी कहां रखी है? उसे इसकी जानकारी थी और उसने ही पूरी चोरी की योजना बनाई थी। चोरी के बाद उन्होंने चार लाख की नकदी अपने पास रख ली और कुछ दिन बाद सोना छोड़ने का फैसला किया. पुलिस ने इस संबंध में आगे की जांच की है.

मूंगफली सहित खरीफ फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीद की तारीख बढ़ी

वड़ोदरा,30 अक्टूबर

गुजरात सरकार ने राज्य के किसानों को कृषि उपज की सस्ती कीमत और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियायती कीमतों पर खरीफ फसलें खरीदने की योजना बनाई है। किसानों के समर्थन मूल्य के लिए **NAFED** का ई-समृद्धि पोर्टल 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक खोला गया था। गौरतलब है कि राज्य का कोई भी किसान समर्थन मूल्य से वंचित न रहे इसके लिए पंजीयन प्रक्रिया को 11 नवंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया है.

राज्य सरकार ने किसानों से 7,645 करोड़ रुपये की 11.27 लाख मीट्रिक टन मूंगफली, 450 करोड़ रुपये की 92 हजार मीट्रिक टन सोयाबीन, 370 करोड़ रुपये की 50,970 मीट्रिक टन उड़द और 70 करोड़ रुपये की 8 हजार मीट्रिक टन आम की खरीद की। गीसी की समर्थन मूल्य पर कुल 8,474 करोड़ रुपये की लगभग 12.78 लाख मीट्रिक टन की खरीद की जायेगी।

ज्ञात हो कि वर्ष 2024-25 के लिए मूंगफली का समर्थन मूल्य 6,783 रुपये प्रति क्विंटल, चने का समर्थन मूल्य 8,682 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द का समर्थन मूल्य 7,400 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है. सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल है. राज्य में समर्थन मूल्य पर मूंगफली, मूंग, उड़द एवं सोयाबीन की खरीद पांचवें लाभ के बाद 11 नवंबर 2024 से 8 फरवरी 2025 तक की जायेगी।

10 हजार दीपों से जगमगाया गांधीनगर का अक्षरधाम मंदिर

गांधीनगरः,30 अक्टूबर

देशभर में दिवाली का त्योहार मनाया जा रहा है. दिवाली के मौके पर गांधीनगर का स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर दीयों से जगमगा उठा। यहां मंदिर में 30 अक्टूबर से 8 नवंबर तक दिवाली मनाई जाएगी. यहां 10 हजार से ज्यादा दीपक जलाए जाएंगे.

अक्षरधाम मंदिर के अक्षरवत्सल स्वामी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, यहां की खास बात यह है कि यहां हर दिवाली पर हजारों दीपक जलाए जाते हैं। यहां लगभग 10,000 दीपक जलाए जाते हैं और दीपोत्सव मनाया जाता है। यहां विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। यहां एक नई नीलकंठ वाटिका का निर्माण किया गया है जहां भगवान स्वामीनारायण की 'पंचधातु' से बनी 49 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित है। 11 नवंबर को पूरे समारोह के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

अक्षरधाम मंदिर के स्वयंसेवक आएश मंदनका के मुताबिक, पिछले 32 सालों से हर दिवाली पर अक्षरधाम मंदिर को इसी तरह 10,000 दीयों से सजाया जाता है। इस साल भी यह 8 नवंबर तक रोजाना शाम 6बजे से 7.45 बजे तक जारी रहेगा.

आनंद के वलवोड में ओएनजीसी साइट पर एक तेल के कुएं में आग

30 अक्टूबर

आनंद जिले के बोरसाद तालुक के वाल्वोड गांव में स्थित ध्र्उण की साइट पर आग लग गई है. ओएनजीसी के कुआं नंबर 7 में अचानक आग लगने के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची. हालांकि यह भी आरोप लगाया गया है कि फायर टीम देर से पहुंची.

प्लांट के आसपास कोई रिहायशी इलाका न होने के कारण लोगों की आवाजाही नहीं थी, लेकिन आसपास खेत हैं तो आशंका है कि उनमें किसान या खेत मजदूर भी हो सकते हैं। आग ने भीषण रूप धारण कर लिया है. काले दिबांग के धुएं दूर-दूर तक उड़ते नजर आ रहे हैं. घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है.

इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी से वडोदरा एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया

वड़ोदरा,30 अक्टूबर

वड़ोदरा हवाईअड्डे पर इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकीः एक तरफ जहां गुजरात और देशभर में होटलों और उड़ानों को उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं, वहीं राज्य के वड़ोदरा हवाईअड्डे पर इंडिगो की एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। जिसमें फ्लाइट संख्या-807 में बम की धमकी मिलते ही स्थानीय पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियां एक्शन मोड में आ गईं और गहन जांच शुरू कर दी.

जानकारी के मुताबिक, पिछले 15 दिनों में 250 से ज्यादा भारतीय एयरलाइंस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। खुलासा हुआ है कि 90 फीसदी धमकियां इंग्लैंड से मिलीं. यह पता चला है कि धमकी देने वाले कलाकार ज्यादातर सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने के लिए वीपीएन का उपयोग करते हैं। जिसकी लोकेशन विदेशी लगती है.

इससे पहले भी राजकोट के 10 पांच सितारा होटलों को बम से उड़ाने वाली धमकी मिली थी. आगे की जांच में पता चला कि जर्मनी से एक धमकी भारा ईमेल मिला था.

मुख्यमंत्री ने अंध कन्या प्रकाश गृह की दिव्यांग छात्राओं द्वारा बनाए गए दीयों की खरीदारी की

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के मेमनगर में स्थित अंध कन्या प्रकाश गृह से दीयों की खरीदारी की। इन दीयों को अंध कन्या प्रकाश गृह की दिव्यांग छात्राओं द्वारा बनाया गया है। दिव्यांग बेटियों की इस कला को प्रोत्साहन देने के उदार भाव से मुख्यमंत्री और उपस्थित महानुभावों ने दीयों की खरीदी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उपस्थित सभी लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अहमदाबाद के उप महापौर जतिन पटेल, अहमदाबाद महानगर पालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष देवांग दाणी, अंध कन्या प्रकाश गृह के अध्यक्ष क्षितिज शाह, संस्था की प्रबंध समिति के ट्रस्टी राजन हरिवल्लभदास, संस्था की प्रशासक श्रीमती स्मिता शाह तथा स्थानीय राजनीतिक अग्रणी, शिक्षक और संस्थान की कन्याएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पश्चिम रेलवे आरपीएफ डॉग स्क्वायड टीम ने 17वीं अखिल भारतीय आरपीएफ डॉग प्रतियोगिता 2024 में प्राप्त किया प्रथम स्थान

पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (ंइ्इ) डॉग स्क्वायड ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज में आयोजित प्रतिष्ठित 17वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल डॉग प्रतियोगिता में अपने असाधारण कौशल, अनुशासन और सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। देश भर की सर्वश्रेष्ठ श्वान टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा में पश्चिम रेलवे के आरपीएफ डॉग स्क्वायड ने विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अंततः खिताब हासिल किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रतियोगिता में विभिन्न रेलवे जोन के डॉग स्क्वॉड ने आज्ञाकारिता, चपलता और सुरक्षा-विशिष्ट कार्यों में अपनी क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए भाग लिया। पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल के डॉग स्क्वॉड ने इन श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जो रेलवे सुरक्षा के प्रति उनके कठोर प्रशिक्षण और समर्पण को दर्शाता है। पश्चिम रेलवे आरपीएफ डॉग स्क्वायड के 'वेरो', 'इंच' और 'वर्नर' अपने हैंडलर्स के साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 17वीं अखिल भारतीय आरपीएफ डॉग प्रतियोगिता 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल के दस्ते की ओर से मुंबई सेंट्रल मंडल से विस्फोटक खोजी श्वान 'वेरो' और ट्रैकर डॉग 'वर्नर' और वडोदरा मंडल से नारकोटिक्स खोजी श्वान 'इंच' ने प्रतियोगिता में भाग लिया। वडोदरा मंडल के 'इंच' ने कांस्य पदक भी जीता और तीसरा स्थान हासिल किया।

श्री विनीत ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर हाल ही में मिली जीत श्वान और उनके संचालकों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है। पश्चिम रेलवे आरपीएफ डॉग स्क्वायड नियमित गश्त, तोड़फोड़ विरोधी निरीक्षण और अन्य सुरक्षा कर्तव्यों में भाग लेकर पश्चिम रेलवे परिसर और यात्रियों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनका निरंतर प्रशिक्षण और तत्परता संभावित खतरों को रोकने और लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में सहायक है।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

सेन्टरलाइज़ ट्राफिक कण्ट्रोल सिस्टम बिल्डिंग का प्रावधान

ई-निविदा सूचना सं : DRM-BRC 095 वर्ष 2024-25 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या :** DRM BRC 095 वर्ष 2024-25 **कार्य का नाम :** प्रतापनगर में सेन्टरलाइज़ ट्राफिक कण्ट्रोल सिस्टम बिल्डिंग का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) :** ₹3,83,26,998.17 **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में) :** ₹3,41,600.00 **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय :** निविदा 18.11.2024 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। **वेब साइट विवरण और सूचना का स्थान जहां से पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है :** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिमी रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 **वेब साइट :** www.ireps.gov.in 211

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

निर्माण कार्य

ई-निविदा सूचना सं : DRM-BRC 094 वर्ष 2024-25 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या :** DRM BRC 094 वर्ष 2024-25 **कार्य का नाम :** वडोदरा मंडल:- वडोदरा मंडल के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न क्षमताओं के ओवरहेड टैंक और सम्प का निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) :** ₹5,99,74,039.53 **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में) :** ₹4,49,900.00 **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय :** निविदा 18.11.2024 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। **वेब साइट विवरण और सूचना का स्थान जहां से पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है :** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिमी रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 **वेब साइट :** www.ireps.gov.in 210

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए विशेष किराये पर तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है, जिनमें उधना-कटिहार-उज्जैन के बीच एक आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन तथा उधना-दानापुर-वडोदरा के बीच और उधना एवं प्रयागराज के बीच दो अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09047/09048 उधना-कटिहार-उज्जैन स्पेशल ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09047 उधना-कटिहार स्पेशल शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 को 00:20 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09048 कटिहार-उज्जैन स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को 17:00 बजे कटिहार से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया और नौगछिया स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09047 का भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा और उज्जैन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

2. ट्रेन 09053/09054 उधना - दानापुर - वडोदरा अनारक्षित स्पेशल ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09053 उधना - दानापुर स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को 10:00 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09054 दानापुर - वडोदरा स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को 04:00 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे वडोदरा पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09053 का सूरत, सयान, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

3. ट्रेन 09011/09012 उधना-प्रयागराज अनारक्षित स्पेशल ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09011 उधना-प्रयागराज स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को उधना से 07:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:15 बजे प्रयागराज पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09012 प्रयागराज-उधना स्पेशल शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 को प्रयागराज से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16:05 बजे उधना पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, सयान, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना और मानिकपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09047 की बुकिंग 31/10/2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे त्योहार विशेष ट्रेनें चलाएगी

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवाओं की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
05026	उधना – मऊ (सुपरफास्ट)	31.10.2024	15:00 बजे (गुरुवार)	21:00 बजे (अगले दिन)
हॉल्टः वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़, भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर और बेल्थरा सड़क स्टेशन.				
संरचनाः एसी 3 – टियर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09047	उधना–कटिहार	01.11.2024	00:20 बजे (शुक्रवार)	17:00 बजे (शनिवार)
09048	कटिहार–उज्जैन	02.11.2024	14:00 बजे (अगले दिन)	23:30 बजे (अगले दिन)
हॉल्टः संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया और नौगछिया स्टेशन। ट्रेन संख्या 09047 का भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा और उज्जैन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।				
संरचनाः एसी 2 – टियर, एसी 3 – टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09011	उधना–प्रयागराज (अनारक्षित)	31.10.2024	07:00 बजे (गुरुवार)	09:15 बजे (अगले दिन)
09012	प्रयागराज –उधना (अनारक्षित)	01.11.2024	12:30 बजे (शुक्रवार)	16:05 बजे (अगले दिन)
हाल्टः सूरत, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना और मानिकपुर स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09053	उधना – दानापुर (अनारक्षित)	31.10.2024	10:00 बजे (गुरुवार)	23:30 बजे (अगले दिन)
09054	दानापुर – उधना (अनारक्षित)	02.11.2024	04:00 बजे (शनिवार)	12:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन। ट्रेन संख्या 09053 का सूरत, सायन, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
05116	उधना–छपरा (अनारक्षित)	03.11.2024 से 17.11.2024	10:00 बजे (रविवार)	22:30 बजे (शुक्रवार)
05115	छपरा – उधना (अनारक्षित)	01.11.2024 से 15.11.2024	22:30 बजे (अगले दिन)	08:00 बजे (दूसरा दिन)
हाल्टः सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, एस हिरदारामनगर, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, वाराणसी, औंरिहार, गाज़ीपुर सिटी और बलिया स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

पश्चिम रेलवे ने दो जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

* ट्रेन संख्या 05018 उधना–मऊ की 17 नवंबर 2024 को एक अतिरिक्त यात्रा होगी और ट्रेन संख्या 05017 मऊ–उधना की 16 नवंबर 2024 को एक अतिरिक्त यात्रा होगी

* ट्रेन संख्या 05030 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर की 16 और 20 नवंबर 2024 को अतिरिक्त यात्राएं होंगी और ट्रेन संख्या 05029 गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस की 14 और 18 नवंबर 2024 को अतिरिक्त यात्राएं होंगी

समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 05026 और 05018 की बुकिंग खुली है जबकि ट्रेन नंबर 09047 की बुकिंग 31.10.2024 को सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुलेगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिमी रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96